सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 275 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 19 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नारायणपुर में कमीशनखोरी के आरोप में पूर्व थाना प्रभारी गिरफ्तार

नारायणपुर। पूर्व थाना प्रभारी पर बीमा का पैसा दिलाने के नाम पर कमीशन लेने का आरोप लगा था। नए पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल ने इस मामले की जांच कराई। जांच में आरोप सिद्ध होने पर पूर्व थाना प्रभारी को जेल भेज दिया गया है। दरअसल नारायणपुर के पूर्व थाना प्रभारी सुरेश चंद यादव पर यह आरोप था। मामला सैलरी योजना बीमा से जुड़ा हुआ है। प्रार्थी ने बीमा का दावा दिलाने के एवज में कमीशन मांगने की शिकायत की थी। नारायणपुर कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की। जांच में आरोप सिद्ध होने के बाद निरीक्षक सुरेश चंद यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें जेल भेज दिया गया है। नारायणपुर कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी और अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में एक अधिवक्ता को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, बागी सांसदों के शामिल होने पर भड़की टीएमसी

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले संसद भवन एनेक्सी में आयोजित सर्वदलीय बैठक में विपक्षी सांसदों ने बैठक से वॉकआउट कर दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, रविवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, झारखंड मुक्ति मोर्चा, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वाम दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरा विपक्ष सर्वदलीय बैठक से विरोध जताते हुए बाहर निकल गया। इसकी वजह यह है कि कथित एनसीपीआई, जो एक गैर-मान्यता प्राप्त दल है, उसे बैठक में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, टेबल ऑफिस की ओर से दी गई सूची में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की ताकत 28 सांसद दिखाई गई है। इन कथित 20 बागी सांसदों के विलय को अभी तक लोकसभा अध्यक्ष ने मंजूरी नहीं दी है। इन 20 सांसदों की अयोग्यता से जुड़ी याचिकाएं अब भी लंबित हैं।

रेस्क्यू के बाद भालू ने 3 लोगों पर किया हमला

एमसीबी। जिले के जनकपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम च्यूल में शनिवार को कुएं से रेस्क्यू किए गए एक जंगली भालू ने 3 लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में 14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दो महिलाओं को हल्की चोटें आईं। वन विभाग की टीम ने भालू को सुरक्षित बाहर निकाला था, लेकिन वह बेकाबू होकर रिहायशी इलाके में घुस गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम च्यूल निवासी राकेश के घर के कुएं में एक जंगली भालू गिर गया था। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और भालू को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वन विभाग की टीम ने कुएं में सीढ़ी डालकर भालू को सुरक्षित बाहर निकाला।

पीवी सिंधू ने रचा इतिहास : बनी जापान ओपन चैंपियन, जापान की अकाने को सीधे सेटों में हराया

■ पहली भारतीय जिसने यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप जीती

श्रीकंचनपथ न्यूज

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने जापान ओपन 2026 का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। टोक्यो में खेले गए बीडब्ल्यूएफ सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की विश्व नंबर-तीन अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हरा दिया।

इस जीत के साथ वह जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। करीब 50 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेल दिखाया और यामागुची को वापसी का मौका नहीं दिया। एक समय स्कोर 17-17 से बराबर था, लेकिन इसके बाद सिंधु ने शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार चार अंक जीते और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक क्षणों में उन्होंने यामागुची को कोई मौका नहीं दिया। दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत से बढ़त बना ली।

उन्होंने 8-3, फिर 14-7 और बाद में 16-12 की बढ़त हासिल कर मुकाबले पर पूरी पकड़ बनाए रखी। उनकी तेज रफ्तार, सटीक स्मैश और डिफेंस से अटैक में शानदार बदलाव के सामने यामागुची लगातार संघर्ष करती नजर आईं। आखिर में सिंधू ने दूसरा गेम भी 21-17 से जीतकर सीधे गेमों में मुकाबला समाप्त कर दिया।

सिंधू के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद पहली बार कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अगर सुपर-750 या उससे बड़े स्तर के टूर्नामेंट की बात करें तो सिंधू ने करीब सात साल बाद कोई बड़ा खिताब जीता है। उनका पिछला बड़ा खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप था, जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। इस पूरे टूर्नामेंट में सिंधू ने शानदार लय दिखाई। उन्होंने सभी मुकाबले सीधे गेमों में जीते और विश्व की शीर्ष खिलाड़ियों को हराते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में भी उन्होंने अपनी पुरानी रणनीति और धैर्य के साथ खेलते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

बार काउंसिल का कड़ा निर्देश : कोर्टरूम में रील बनाने वाले वकीलों पर होगी कार्रवाई

बीसीआई ने सभी राज्यों के बार काउंसिल को नए नियम तुरंत लागू करने का दिया निर्देश

नईदिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने वकीलों के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल नैतिकता के नियमों को लेकर सर्कुलर जारी किया है। इसके तहत वकीलों के कोर्टरूम या अदालत परिसर में सोशल मीडिया के लिए रील बनाने पर रोक लगाई गई है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वकीलों, कानून के छात्रों और इंटर्न के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बीसीआई ने सभी राज्य बार काउंसिल को वकीलों के सोशल मीडिया इस्तेमाल और डिजिटल आचरण से जुड़े नए नियम तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। 17 जुलाई को जारी पत्र में बीसीआई ने सभी राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष और सचिवों से कहा कि इन दिशा-निर्देशों को वकीलों, लॉ फर्मों, बार एसोसिएशनों और कानूनी संस्थानों तक व्यापक रूप से पहुंचाया जाए, ताकि इनका सख्ती से पालन हो।

जाने क्या है नए नियम में?

नए नियमों के अनुसार, वकीलों को सोशल मीडिया पर पेशेवर आचरण बनाए रखना होगा। अदालतों के खिलाफ अपमानजनक, भ्रामक या मानहानिकारक पोस्ट करने पर रोक रहेगी। साथ ही, मुवक्किल की गोपनीय जानकारी और अदालत की गोपनीय कार्यवाही सार्वजनिक नहीं की जा सकेगी। बार काउंसिल ने वकीलों से डिजिटल माध्यम में भी अदालत की गरिमा बनाए रखने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार सामग्री का अनैतिक उपयोग न करने और सभी ऑनलाइन संवाद को पेशे की नैतिक मर्यादा के अनुरूप रखने को कहा है।

वकीलों को देना होगा लिखित घोषणापत्र

बीसीआई ने राज्य बार काउंसिल को निर्देश दिया है कि वे इन नियमों को अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया और नोटिस बोर्ड पर जारी करें। साथ ही वेबिनार, कार्यशाला और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर वकीलों को नए नियमों की जानकारी दें। नामांकन या नवीनीकरण के समय वकीलों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने का लिखित घोषणा-पत्र भी लिया जाएगा। इस बीच कानूनी शिक्षा से जुड़े छोटे वीडियो, रील, पॉडकॉस्ट क्लिप या पोस्ट साझा करने की इजाजत रहेगी, बशर्ते वे भ्रामक दावे करने वाले न हों।

रायपुर समेत कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर पूरी सक्रियता के साथ लौट आया है। बंगाल की खाड़ी और आसपास बने मौसम तंत्र के प्रभाव से शनिवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज बारिश हुई, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। बीते 24 घंटे के दौरान बलरामपुर जिले के कुसमी में सबसे अधिक 28 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा सहित कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

कोरबा में गोहत्या पर बवाल : संदिग्ध हिरासत में, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र की वनांचल ग्राम पंचायत अजगरबहार के नर्मदा गांव में कथित गोहत्या की सूचना के बाद रविवार सुबह से पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। घटना के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात नर्मदा गांव में गोवंश को काटे जाने की कथित घटना हुई। रविवार सुबह इसकी जानकारी गांव में फैलते ही सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने घटनास्थल पर गोवंश का सिर, खाल और मांस के टुकड़े पड़े होने की बात कही। घटना की सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए। आक्रोशित लोगों ने नारेबाजी करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही बालको थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। अधिकारियों का कहना है कि इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

दादी ने 20 दिन की मासूम पोती का गला घोंटकर की हत्या

टीकमगढ़। मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के बन्नेबुजुर्ग गांव में दादी ने मासूम पोती की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी दादी रेखा आदिवासी (45) को गिरफ्तार कर लिया है। 20 दिन की बच्ची मनीषा अपनी मां पुक्खन आदिवासी के साथ सो रही थी। रविवार तड़के करीब 3 बजे दादी रेखा वहां पहुंची और बच्ची को उठाकर ले गई। कुछ देर बाद वह बच्ची को वापस उसकी मां के पास लिटाकर चली गई। जब काफी देर तक बच्ची के शरीर में कोई हलचल नहीं हुई तो उसने बच्ची को हिलाकर देखा, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

बड़ा हादसा : घर लौटते समय सड़क किनारे खुली नाली में गिरा शख्स मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला लक्ष्मी नगर मार्केट के पास बीती रात दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। हादसे का कारण सड़क किनारे खुली नाली बताया जा रहा है। व्यक्ति अपने घर लौट रहा था और हादसे का शिकार हो गया। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना सुपेला पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यक्ति को शास्त्री अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान चंद्र नगर निवासी जी शंकर राव (64) रूप में हुई। बताया जा रहा है कि शंकर राव प्रापर्टी डीलिंग का काम करते थे और इनका सुपेला आकाशगंगा के डिल्लन कॉम्प्लेक्स में ऑफिस है। शनिवार रात लगभग 12 बजे वे अपने घर लौट रहे थे। सुपेला लक्ष्मी नगर मार्केट के बाद सड़क किनारे खुली नाली में वे एक्टीवा के साथ गिर गए। एक्टीवा का चक्का नाली फंस गया और शंकर राव सिर के बल गिरे। इससे गंभीर चोट आई जो इनकी मौत का कारण बनी।

आसपास के लोगों ने देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची और लोगों की सहायता से शंकर राव को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें सुपेला अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मौत की पुष्टि की। बता दें कुछ दिन पहले भी इसी गड्ढें में एक कार भी गिर गई थी। इसके बाद भी इस गड्ढे को बंद नहीं किया गया। नगर निगम द्वारा कभी भी इस गड्ढें को बंद करने में रूचि नहीं दिखाई जिसका परिणाम यह हुआ कि एक व्यक्ति की जान चली गई।

नक्सली डंप बरामद, बीएसएफ ने 44 BGL किया डिफ्यूज, जमीन में छिपाया था हथियारों का जखीरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के बाद से जिले में सुरक्षा बलों की ओर से लगातार सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जिले के ग्राम कदेर के पास जंगल में छिपाकर रखा गया नक्सलियों का डंप बरामद हुआ है।

बीएसएफ की 133वीं वाहिनी की टीम ने आज शनिवार को कदेर के पास जंगल में जमीन में छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक, संचार उपकरण, इलेक्ट्रानिक सामग्री, चिकित्सा सामग्री, नक्सल साहित्य और अन्य दैनिक सामग्री की गई है। बरामद 44 बीजीएल शेल को सुरक्षा की दृष्टि से बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया। इसकी पुष्टि नारायणपुर एसपी संदीप कुमार पटेल ने की है।

बीएसएफ की 133वीं वाहिनी की कार्रवाई

नारायणपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार , बीएसएफ की 133वीं वाहिनी सोनपुर की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कदेर के जंगल में नक्सलियों ने बड़ी मात्रा में सामग्री छिपाकर रखा है। सर्चिंग के दौरान बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए संदिग्ध स्थान की जांच की। खुदाई के दौरान जमीन के भीतर से हथियार और अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गई। सुरक्षा कारणों से बरामद 24 बड़े और 20 छोटे कुल 44 बीजीएल शेल को बीडीएस ने मौके पर ही निष्क्रिय कर डिफ्यूज कर दिया, इसलिए इन्हें जब्ती सूची में शामिल नहीं किया गया है। पुलिस ने बताया कि बरामद अन्य सामग्री के संबंध में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

वादा पूरा करें

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा

इस बात को ढाई साल से ज्यादा हो चुके हैं जब केंद्र सरकार ने भारत के सुप्रीम कोर्ट में औपचारिक वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटा दिया जायेगा। कोर्ट ने कोई सयमसीमा तो तय नहीं की, लेकिन उम्मीद थी कि यह वाजिब समयावधि के भीतर होगा और क्रमिक रूप से कदम उठाये जायेंगे। तब से भारतीय जनता पार्टी-नीत सरकार ने इस मोर्चे पर कुछ नहीं किया है, जिसका एक ही मतलब हो सकता है कि उसने समयसीमा के अभाव को राज्य-का-दर्जा अनिश्चितकाल के लिए टालने का लाइसेंस समझ लिया है। केंद्र द्वारा बार-बार आश्वासन दिये जाने के बावजूद ऐसा है। जम्मू-कश्मीर चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका वादा किया और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसद के भीतर दोहराया। कोई आश्चर्य नहीं कि इस निष्क्रियता के चलते जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को विरोध-प्रदर्शनों और रैलियों की श्रृंखला आयोजित करनी पड़ी, जिसका समापन 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर धरने के साथ होगा। उनकी और इस प्रांत की शिकायत जायज है। लोकप्रिय चुनाव के बाद भी केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा बनाये रखने से निर्वाचित सरकार एक अनिर्वाचित उप-राज्यपाल के अधीन हो जाती है जिसके पास नौकरशाही, पुलिस और अन्य संस्थाओं, पर अधिक अधिकार होता है। एक बार चुनाव हो जाने और सरकार बन जाने के बाद इस बंदोबस्त को जारी रखने का कोई सैद्धांतिक औचित्य नहीं है।

> “ केंद्र द्वारा बार-बार आश्वासन दिये जाने के बावजूद ऐसा है। जम्मू-कश्मीर चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका वादा किया और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसद के भीतर दोहराया। कोई आश्चर्य नहीं कि इस निष्क्रियता के चलते जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को विरोध-प्रदर्शनों और रैलियों की श्रृंखला आयोजित करनी पड़ी, जिसका समापन 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर धरने के साथ होगा। उनकी और इस प्रांत की शिकायत जायज है। लोकप्रिय चुनाव के बाद भी केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा बनाये रखने से निर्वाचित सरकार एक अनिर्वाचित उप-राज्यपाल के अधीन हो जाती है जिसके पास नौकरशाही, पुलिस और अन्य संस्थाओं, पर अधिक अधिकार होता है।

पिछले साल के आखिर में, राज्य-का-दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर-जनरल ने पहलगाम हमले का हवाला देते हुए इसी तर्क का इस्तेमाल किया। लेकिन इस दलील में कोई दम नहीं है। खुद सरकार का कहना है कि यह हमला सीमा पार से कराया गया और भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए मुकम्मल जवाब दिया। एक सीमा-पार उकसावे का इस बात से कोई तार्किक वास्ता नहीं है कि पूर्ण राज्य की शक्तियां सौंपने के लिए जम्मू-कश्मीर के निर्वाचित प्रतिनिधियों पर भरोसा किया जाए या नहीं। बल्कि, निर्वाचित नेताओं को स्थानीय शिकायतें दूर करने के लिए सशक्त बनाना ही वह तरीका है जिससे कोई राज्य-व्यवस्था चिंताओं को असंतोष में बदलने से पहले ही शांत कर देती है। गौरतलब है कि इसी असंतोष ने दशकों तक कश्मीर घाटी में उग्रवाद के विभिन्न दौर को हवा दी। केंद्र सरकार जिस तरीके से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और यहां तक कि मणिपुर को संभाल रही है, उससे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी वाले इन सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ हो रहे सलूक में एक चिंताजनक पैटर्न दिखता है। पूरे उत्तर, पश्चिम और अब पूर्व में अपने दबदबे को लेकर निश्चिंत भाजपा इन प्रांतों के नागरिकों की चिंताओं को तुच्छ मानती लग रही है। ऐसा नजरिया अदूरदर्शी है: जो शासन-व्यवस्था किसी सीमावर्ती क्षेत्र को राजनीतिक रूप से गौण मानती है, वह केवल अलगाव की भावना और गहरी करती है; और जल्द ही अस्थिरता दूसरी जगहों तक भी फैल जाती है और पूरी शासन-व्यवस्था को हिला देती है। ऐसा लगता है कि भाजपा राज्य-का-दर्जा मुद्दे को तब तक लटकाये रखने में ही खुश है जब तक कि राजनीतिक अंकगणित उसके पक्ष में निर्णायक ढंग से न झुक जाए। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन के जरिए अंकगणित बदलने की कोशिश वह पहले ही कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट, संसद और जम्मू-कश्मीर की जनता से किये गये वादे को राजनीतिक हालात भाजपा के लिए सुविधाजनक होने के इंतजार में लटका कर नहीं रखा जा सकता।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर दीर्घसूत्री न्याय की विडंबना का यक्ष प्रश्न

कमलेश पांडे

आखिर हमें यह समझना ही होगा कि 21वीं सदी के भारत की न्यायिक व्यवस्था की सफलता इस बात से नहीं आंकी जाएगी कि उसने कितने ऐतिहासिक फैसले दिए, बल्कि इस बात से आंकी जाएगी कि उसने आम नागरिक को कितनी जल्दी, कितनी निष्पक्षता से और कितनी कम लागत में न्याय उपलब्ध कराया।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस (17 जुलाई) केवल न्याय की महत्ता का स्मरण कराने का अवसर नहीं है, बल्कि यह स्वयं से एक कठिन प्रश्न पूछने का भी दिन है—क्या वर्षों बाद मिला न्याय वास्तव में न्याय कहलाता है? वाकई आज दुनिया के अनेक देशों की तरह भारत में भी करोड़ों मुकदमे लंबित हैं। अनेक वादियों की पूरी उम्र अदालतों के चक्कर लगाते-लगाते बीत जाती है। कई मामलों में निर्णय तब आता है जब पीड़ित या आरोपी इस दुनिया में ही नहीं रहते। ऐसे में न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है और इस खास दिवस पर प्रासंगिक भी।

आखिर हमें यह समझना ही होगा कि 21वीं सदी के भारत की न्यायिक व्यवस्था की सफलता इस बात से नहीं आंकी जाएगी कि उसने कितने ऐतिहासिक फैसले दिए, बल्कि इस बात से आंकी जाएगी कि उसने आम नागरिक को कितनी जल्दी, कितनी निष्पक्षता से और कितनी कम लागत में न्याय उपलब्ध कराया। इसलिए भारत का आदर्श लक्ष्य केवल 'फास्ट जस्टिस' नहीं, बल्कि 'फेयर, फास्ट एंड अफोर्डेबल जस्टिस' होना चाहिए। यही विकसित भारत की न्यायिक पहचान होगी।

कानूनी मामलों के जानकारों के मुताबिक, दीर्घसूत्री न्याय के पीछे न्यायाधीशों की कमी, बार-बार स्थगन, जटिल कानूनी प्रक्रियाएँ, अपर्याप्त न्यायिक ढांचा और बढ़ते मुकदमों जैसी कई वजहें हैं। लेकिन सबसे बड़ी विडंबना यह है कि विलंबित न्याय केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समस्या भी बन जाता है। इससे आम नागरिक का न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर पड़ सकता है और कई बार लोग वैकल्पिक तथा गैर-कानूनी रास्तों की ओर भी आकर्षित हो सकते हैं।

इस अवसर पर सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यही है—क्या न्याय केवल सही निर्णय देने का नाम है, या सही समय पर सही निर्णय देना ही वास्तविक न्याय है? यदि न्याय समय पर नहीं मिलता, तो उसका नैतिक और व्यावहारिक महत्व दोनों कम हो जाते हैं। इसलिए न्यायिक सुधार, तकनीक का बेहतर उपयोग, न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि, वैकल्पिक विवाद निपटान को बढ़ावा और अनावश्यक स्थगनों पर नियंत्रण जैसी पहलें अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं।

लिहाजा, अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि न्याय केवल निष्पक्ष ही नहीं, त्वरित, सुलभ और प्रभावी भी होना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र की असली ताकत केवल कानून के शासन में नहीं, बल्कि समय पर मिलने वाले न्याय में निहित होती है।

भारत की स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय न्यायपालिका विश्व की सबसे स्वतंत्र और सम्मानित न्याय प्रणालियों में गिनी जाती है, जिसने अनेक ऐतिहासिक फैसलों से संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा की है। दूसरी ओर, त्वरित न्याय के पैमाने पर भारत अब भी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुधांशु चौधरी के अनुसार, मुख्य तस्वीर इस प्रकार है:

एक, लंबित मुकदमे: देशभर की अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं। इनमें बड़ी संख्या जिला न्यायालयों में है, जबकि उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में भी लंबित मामलों का बोझ बना हुआ है।

दो, न्याय मिलने में लंबा समय: भूमि विवाद, दीवानी मुकदमे, पारिवारिक

विवाद और कई आपराधिक मामलों में अंतिम निर्णय आने में वर्षों, कभी-कभी दशकों तक लग जाते हैं।

तीन, अंडरट्रायल कैदी: भारतीय जेलों में बड़ी संख्या ऐसे कैदियों की है जिनका मुकदमा अभी पूरा नहीं हुआ है। यह शीघ्र न्याय की कसौटी पर एक गंभीर चुनौती है।

चार, सुधार के प्रयास: ई-कोर्ट परियोजना, वर्चुअल सुनवाई, राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड, फास्ट ट्रैक कोर्ट, लोक अदालतें और मध्यस्थता जैसे कदम उठाए गए हैं, जिनसे कुछ क्षेत्रों में सुधार भी हुआ है।

इसलिए सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यही है कि क्या भारत में न्यायालयों का उद्देश्य केवल न्याय देना है, या समय पर न्याय देना भी उतना ही आवश्यक है? जब एक पीढ़ी मुकदमा दायर करे और दूसरी पीढ़ी फैसला सुने, तो लोकतंत्र में न्याय की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

आज अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि न्याय में गुणवत्ता और निष्पक्षता बनाए रखते हुए न्याय की गति कैसे बढ़ाई जाए? यही वह कसौटी है, जिस पर आने वाले वर्षों में भारतीय न्यायपालिका की सफलता का वास्तविक आकलन होगा।

चूंकि, यह भारतीय न्याय व्यवस्था के सामने सबसे बड़ा सुधारात्मक प्रश्न है। इसलिए इसका उत्तर केवल अधिक न्यायाधीश नियुक्त करने में नहीं, बल्कि व्यापक न्यायिक सुधारों में निहित है।

पहला, न्यायाधीशों और न्यायालयों की संख्या बढ़े: जनसंख्या और मुकदमों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीश तथा आधुनिक न्यायालय स्थापित किए जाएँ।

दूसरा, समयबद्ध सुनवाई की संस्कृति विकसित हो: अनावश्यक स्थगनों पर अंकुश लगे और प्रत्येक मुकदमे के लिए यथासंभव समय-सीमा निर्धारित की जाए।

तीसरा, तकनीक का व्यापक उपयोग: ई-फाइलिंग, डिजिटल रिकॉर्ड, एआई आधारित केस मैनेजमेंट और वर्चुअल सुनवाई का विस्तार किया जाए ताकि प्रशासनिक देरी कम हो।

चौथा, वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा: लोक अदालत, मध्यस्थता और पंचाट के माध्यम से छोटे और दीवानी विवाद अदालतों के बाहर ही सुलझाए जाएँ।

पांचवां, रिक्त पदों की शीघ्र नियुक्ति: उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबे समय तक रिक्त रहने वाले न्यायिक पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाए। छठा, न्याय की गुणवत्ता से समझौता नहीं: त्वरित न्याय का अर्थ जल्दबाजी में निर्णय नहीं होना चाहिए। प्रत्येक पक्ष को सुनने, साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच और कारणयुक्त निर्णय की परंपरा बनी रहनी चाहिए।

सातवां, पुलिस और अभियोजन तंत्र में सुधार: यदि जांच समयबद्ध, वैज्ञानिक और निष्पक्ष होगी, तो अदालतों में मुकदमों का निपटारा भी अधिक प्रभावी होगा।

निष्कर्षत: यह कहा जाना चाहिए कि भारत के लिए आदर्श लक्ष्य केवल फास्ट जस्टिस नहीं, बल्कि फेयर, फास्ट और अफोर्डेबल जस्टिस होना चाहिए। इसी संदर्भ में एक विचारोत्तेजक प्रश्न उठता है— क्या लोकतंत्र में न्यायालयों की सफलता का पैमाना केवल ऐतिहासिक फैसले हैं, या यह भी कि एक सामान्य नागरिक को उसके जीवनकाल में समय पर न्याय मिल जाए? यदि इसका उत्तर हाँ है, तो न्यायिक सुधार अब भविष्य का एजेंडा नहीं, बल्कि वर्तमान की अनिवार्य आवश्यकता है। भौगोलिकसंदर्भ

चूंकि यह विचार एक नीति-वाक्य है, इसलिए इसे और अधिक प्रभावशाली ढंग से लागू करने की दरकार है। नि:सन्देह भारत का लक्ष्य केवल 'फास्ट जस्टिस' (शीघ्र न्याय) नहीं, बल्कि 'फेयर, फास्ट एंड अफोर्डेबल जस्टिस' (निष्पक्ष, त्वरित और सुलभ न्याय) होना चाहिए। क्योंकि न्याय तभी सार्थक है, जब वह समय पर मिले, सभी के लिए समान हो और उसकी लागत इतनी न हो कि एक सामान्य नागरिक न्याय मांगने से ही पीछे हट जाए।

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

चीजों के पूरा होने और उनके धीरे-धीरे खुलने में फर्क है

रीटा कोठारी

'प्यार' कोई भौतिक चीज नहीं है। इसलिए जब हम 'आधा इश्क' या 'हाफ लव' कहते हैं, तो इसका क्या अर्थ होता है? जब प्यार या इश्क 'आधा' होता है, तो क्या वह पहले पूरा था और फिर आधा हो गया, या वह पूरा होने की राह पर है पर अभी पूरा नहीं हुआ? फिल्म 'बैंड बाजा बारात' (2010) का गाना याद आता है :'नमकीन सी बात है हर नई सी बात में, तेरी खुशबू चल रही है जो मेरे साथ में, हल्का-हल्का रंग बीते कल का गहरा-गहरा कल हो जाएगा, आधा इश्क आधा है आधा हो जाएगा, कदमों से मीलों का वादा हो जाएगा...।'

कभी-कभी कदमों में एक नई फुर्ती होती है और हवा में उम्मीद-सी महसूस होती है। हो सकता है कोई खास सम्भावना अभी दूर हो, लेकिन उसके बारे में सोचना ही सुखद लगता है। हो सकता है यह प्यार न हो, या शायद किसी तरह से हो भी। यह ऐसा सुखद विचार है, जो छोटे-छोटे कदम उठाने और उन्हें एक खास दिशा में बढ़ते देखने की इच्छा जगाता है। यह खुद को या किसी और को जानने या समझने की बात नहीं है, बल्कि मन-मिजाज में एक ऐसी हल्की-फुल्की खुशी है, जो शायद कल किसी बड़ी चीज की बुनियाद बन जाए। यह प्यार की ओर एक धीमी और सुकून भरी चाल है।

जब प्यार अधूरा लगता है तो किसी पक्के यकीन के बजाय एक सुखद सम्भावना पर टिका होता है। इस गाने का आधुनिक अंदाज इसी बीच के पल को रचने में है- प्यार न करने और प्यार करने के बीच; बेपरवाह या तटस्थ या फिर लेन-देन वाले रिश्ते और पूरी तरह से खुद को सौंप देने की चाहत के बीच। यह एक नई, अनजानी और आकर्षक चीज की ओर धीरे-धीरे बढ़ने का एहसास कराता है- ऐसा आकर्षण, जिसे परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन जो डरावना भी नहीं है।

यह आज का 'आधा प्यार' है; बाकी आधा शायद कल हो। शुरुआत में इसके रंग हल्के थे, लेकिन हो सकता है कल वे और गहरे हो जाएं। एक स्थिति से दूसरी स्थिति तक पहुंचने के लिए क्या चाहिए? यह गाना कमिटमेंट जैसे शब्दों से बचता है। यह रिश्ते या इंसान के बजाय समय पर भरोसा रखने का संकेत देता है।

बेशक, जिस इंसान से प्यार हो सकता है, उससे इतनी उम्मीद तो है कि यह सफर आगे बढ़े और चाहने लायक बने; लेकिन अभी यह कोई पक्का या तय हो चुका मामला नहीं है। वह अनकहा, अनसुना शब्द है- इत्मीनान। धीरे-धीरे। अपने सही समय पर। इस नजरिए से देखें तो यह गाना प्यार से 'पहले' का है, या प्यार की ओर बढ़ते सफर का। इसमें उम्मीद तो है कि रिश्ता पूरा होगा, लेकिन उसके लिए बेचैनी नहीं है। यह सबूतों नहीं, संभावनाओं पर टिका है। इसलिए, अभी कोई पक्का वादा करना जल्दबाजी होगी, और शायद ऐसा करना अब पुराना भी हो चुका है।

इस पल में जो बात मायने रखती है, वह है एहसास का ताजापन और जोश। कदम भले छोटे हों, पर उनमें हिचकिचाहट नहीं है, और मंजिल भले धुंधली हो, पर सफर बुरा नहीं है। यहां 'आधा' शब्द के इर्द-गिर्द बहुत कुछ बुना गया है- एक ऐसी बात जो ईमानदारी भरी है और जिसमें कोई हड़बड़ी नहीं है।

यह 'आधा' किसी कमी की कहानी नहीं है कि कोई दूसरा आधा हिस्सा खो गया है और इसलिए कुछ अधूरापन है। बल्कि, यह उस हिस्से को दिखाता है, जो अभी मौजूद है, और उसका होना ही इस उम्मीद के लिए काफी है कि आगे चलकर और भी कुछ हो सकता है। यह किसी पूरी चीज का गणितीय आधा हिस्सा नहीं है, बल्कि चीजों के धीरे-धीरे खुलने और आगे बढ़ने को मंजूरी देना है।

वी. शांताराम की 'नवरंग' (1959) में भी दिवाकर ने अपने लिए मोहिनी नाम की एक प्रेमिका (म्यूज़) की कल्पना की है, जो बिल्कुल उनकी पत्नी जमना जैसी दिखती है। मोहिनी में उन्हें वह साथी मिल जाता है, जो जमना नहीं बन पातीं; इस कल्पना के जरिए वे अपनी कविताओं और शारीरिक इच्छाओं, दोनों को पूरा करते हैं।

मोहिनी असल में मौजूद नहीं होकर भी किसी चाहत के पूरे होने का एहसास कराती है; लेकिन गाना उन्हें यह भी याद दिलाता है कि असल जिंदगी में सब कुछ पूरा नहीं होता। इच्छा पूरी होने और अधूरापन महसूस होने के बीच की खींचतान पर आधारित है गाना- 'आधा है चंद्रमा...' यह लेख शब्दों की सीमा पार कर जाए, उससे पहले इसे आधा ही छोड़ दें- शायद फिर भी लुत्फ बरकरार रहे।

जिस इंसान से प्यार हो सकता है, उससे इतनी उम्मीद तो है कि यह सफर आगे बढ़े और चाहने लायक बने; लेकिन अभी यह कोई पक्का या तय हो चुका मामला नहीं है। वह अनकहा, अनसुना शब्द है- इत्मीनान। धीरे-धीरे। सही समय पर।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

गौरवपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों को साझा करने का अवसर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा।

राजस्थान विधानसभा के 75 साल पर अमृत महोत्सव का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि दुनिया में हमारे देष की लोकतंत्र की जड़े सबसे गहरी होने के साथ ही आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से भारत दुनिया के देषों के सामने एक मिसाल है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल से जिस तरह से 15 जुलाई, 2026 को आयोजित अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में विधानसभा के नए पुराने सदस्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने और एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराया है वहीं उच्च सदन के सभापति उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र और समापन सत्र में सहभागी बनाकर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया है। अमृत महोत्सव में राजस्थान विधानसभा के 410 नए पुराने सदस्यों ने हिस्सा लिया वहीं 6 बार या इससे अधिक समय तक सदस्य रहे सम्माननीयों का सम्मान कर लोकतांत्रिक मूल्यों का ही स्वागत सम्मान किया गया है।

आज जिस तरह से विधायिका की कम बैठकों, सत्रों के दौरान हंगामें के हालात और मतभेद और मनभेद के हालातों में राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव केवल एक आयोजन ना होकर नए विधायकों के लिए प्रेरणास्पद भी हो गया है। अमृत महोत्सव के दौरान राजस्थान में सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनकारी 24 कानूनों पर चर्चा भी की गई तो नए पुराने सदस्यों के अनुभवों को साझा करने का भी बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सका है। कार्यक्रम के दौरान

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का रिमार्केवल प्रतिक्रिया दी कि चुनाव भले ही वोट के आधार पर जीते जाते हैं पर जनता का दिल तो लोकहितकारी कार्य करके ही जीता जा सकता है।

संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति गरिमा बनाये रखने में हैं वहीं बहस की गुणवत्ता, गंभीरता और सदन में आचरण की मर्यादा से ही संवैधानिक संस्थाएं मजबूत होती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान विधानसभा के भी सदस्य रह चुके हैं और उनका मानना रहा कि विधानसभा उनके लिए संस्कारों की पाठशाला रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि दुश्मनी जमकर करों पर खिड़की भी खुली रखों। इंसानियत राजनीति की लक्ष्मण रेखा से बड़ी होनी चाहिए।

उन्होंने स्व. भैरोसिंह शेखावत और स्व. मोहन लाल सुखाड़िया व स्व. भैरोसिंह शेखावत व स्व. हरिदेव जोशी के बीच सदन और सदन के बाहर के संबंधों की चर्चा करते हुए कहा कि संबंधों की लक्ष्मण रेखा को नहीं लांघा जाना चाहिए। मतभेद भले ही हो पर मनभेद नहीं होना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर आयोजित अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली सहित पक्ष विपक्ष के नेताओं ने खुलकर विचार रखते हुए विधायिका की कम बैठकों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि सामान्यत: इस तरह के कार्यक्रम मात्र औपचारिकता बन कर रह जाते हैं पर जिस तरह से अमृत महोत्सव को लोकतंत्र के लिए उपादेय, लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, सत्र के दौरान बहस के स्तर की गंभीरता, दलगत राजनीति से उठकर साझा मंच पर खुली चर्चा और अनुभवों का साझा करने से यह आयोजन विशिष्ठ आयोजन हो जाता है। जिस तरह से सत्रों के दौरान हंगामें के हालात बनते हैं और आपसी मतभेद और मनभेद की स्थितियां होने लगी है इस पर चिंता व्यक्त करने के साथ ही विधानसभा के पहले के सत्रों में गंभीरता, तथ्यात्मकता, गहन अध्ययन और स्तरीय बहसों के उदाहरण उद्दृत करते हुए गंभीर और स्तरीय बहस पर जोर दिया गया। यहां तक कहा गया कि हंगामें से नहीं तथ्य और तर्क व संवाद से बड़े नेता बनते हैं। लोकतंत्र की लक्ष्मण रेखा से इंसानियत की भावना पर जोर दिया गया।

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा। अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का यह कहना कि अनुभव और युवा उर्जा का समागम ही लोकतंत्र की असली पूंजी है।

देखा जाए तो राजस्थान विधानसभा के अमृत उत्सव का यह आयोजन जहां लोकतंत्र की मजबूती, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही लोकतंत्र में अटूट आस्था, गौरवशाली लोकतांत्रिक आस्था का माध्यम बन गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह निकश की यह आयोजन अतीत का उत्सव ही नहीं अपितु भविष्य का पथ-प्रदर्शक भी है। राजस्थान विधानसभा के इस अमृत महोत्सव पर जिस तरह से सत्रों के दौरान बहस को स्तरीय बनाने, हंगामें की भेंट नहीं चढ़ाने, गहन अध्ययन और तर्क आधारित बहस और पूरी तैयारी के साथ सदन में हिस्सा लेने पर जिस तरह का एक स्वर में संदेश दिया गया है और जिस तरह से विचारधारा और प्रतिवद्धता भिन्न होने के बावजूद मानवीय संबंधों को बनाये रखने यानी की मतभेद के बावजूद मनभेद नहीं रखने का गंभीर व संदेश दिया गया है।

अमृत महोत्सव में अभी चार कार्यक्रम और होने है और कार्यक्रमों पर आमजन की निगाहें इस मायने में हैं कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही आमनागरिकों केन्द्र में होना चाहिए। आयोजन के लिए साधुवाद इस अर्थ में महत्वपूर्ण हो जाता है कि नए सदस्यों को गरिमापूर्ण इतिहास से रुबरु होने के साथ ही वरिष्ठों के अनुभवों को भी साझा और आत्मसात करने का अवसर मिल रहा है। सही मायने में विधायी परंपरा को समझने, संसदीय मर्यादाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों पर अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अरे भाई! है किसी के पास सबूत भारतीय होने का

पता नहीं, कितने ही कवियों और शायरों ने कुछ-कुछ इसी टाइप से अपना परिचय दिया कि गंगा मेरी मां का नाम है, बाप का नाम हिमालय। लेकिन, अब आपको सबूत देना होगा कि आप भारतवासी हैं तो कैसे हैं, सबूत क्या है?

देखो जी, यह तो पूछा ही जाता है कि भाई कौन हो, कहां के हो। पर फिर सबूत कोई नहीं मांगता। कवि शैलेंद्र ने तो सबूत मांगे जाने से पहले ही सबूत दे दिया था कि—होठों पर सच्चाई रहती है, जहां दिल में सफाई रहती है, हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है। फिर अपने भारत कुमार अर्थात् मनोज कुमार ने भी पर्दे पर कुछ-कुछ यही दोहराते हुए कहा—भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। पता नहीं, कितने ही कवियों और शायरों ने कुछ-कुछ इसी टाइप से अपना परिचय दिया कि गंगा मेरी मां का नाम है, बाप का नाम हिमालय। लेकिन, अब आपको सबूत देना होगा कि आप भारतवासी हैं तो कैसे हैं, सबूत क्या है?

जी, यह मेरा आधार कार्ड है। मैंने बहुत भाग-दौड़ करके बनवाया है। लेकिन आधार कार्ड तो कोई सबूत नहीं है। आजकल बस में, रेल में और हवाई जहाज में यात्रा करने, कहीं धर्मशाला या होटल में ठहरने और बैंक की केवाईसी के अलावा यह कहां काम आता है। तो जी, फिर आपने यह हजारों-करोड़ रुपये खर्च करके इतना तामझाम क्यों खड़ा कर रखा है आधार का। वो छोड़ो। सबूत दो। जी, यह मेरे पास राशन कार्ड है। किस जमाने में रह रहे हो यार। इसे तो अब पहचान का दस्तावेज भी नहीं माना जाता। आजकल यह सिर्फ गरीबों के पास रह गया है और फ्री का राशन लेने के काम आता है। कहीं तुम लाभार्थी तो नहीं हो?

खैर सबूत दो। जी यह मेरा ड्राइविंग लाइसेंस है। ड्राइविंग लाइसेंस! भैया यह सिर्फ गाड़ी चलाने के काम आता है। यह सबूत थोड़े ही है। जी, यह मेरा बिजली का बिल है। बिजली का बिल है तो जाकर भरो और मुझे सबूत दिखाओ। जी, सबूत ही दिखा रहा हूं। नहीं, यह सबूत नहीं है, यह सिर्फ बिल भरने के काम आता है। तुम्हारे यहां स्मार्ट मीटर तो है न। कहीं बिजली की चोरी तो नहीं कर रहे! अरे नहीं जनाब! खैर, सबूत क्या है। जी यह मेरे जमीन के, मकान के कागज हैं। क्या खुराना के ऑफिस से आए हो। जी, कौन खुराना अरे वही, खोसला का घोसलावाला, जो ज़मीन-जायदाद के फर्जी कागज बनाता था। जी, यह फर्जी नहीं है। इसका क्या सबूत है।

देखो सबूत दिखाओ यार। जी यह मेरा पार्सपोर्ट है। पासपोर्ट? अरे भैया यह सिर्फ यात्रा का दस्तावेज है। अदालत का फैसला सुना नहीं क्या तुमने? इसे हटाओ यहां से और सबूत दो। जी यह मेरा मतदाता पहचान-पत्र है। अरे सारा पंगा तो इसी का है। यह मान्य नहीं, नया बनवाओ। लाओ पिछले एसआईआर का रिकॉर्ड दिखाओ, क्या उसमें तुम्हारे माता-पिता का नाम था? चलो अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र लाओ, अपना जन्म प्रमाणपत्र लाओ। सबूत ऐसे ही थोड़े मिल जाएगा। नहीं?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

प्रदीप सोनी को पिछडा मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति का सदस्य किया मनोनीत

भिलाई। छत्तीसगढ़, प्रदेश भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू और प्रदेश संगठन के प्रमुख किरण सिंह देव की सहमति से भिलाई के प्रदीप सोनी को पिछडा मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य मनोनीत किया गया है। उनको सदस्य बनाए जाने पर मोहन सोनी, दलबीर सिंह, जयप्रकाश आर्य, चंद्र प्रकाश सोनी, चित्रा राव, अशोक मिश्रा, अल्ताफ कुरेशी, हुकुमचंद गहलोत ने बधाई दी।

विधानसभा लोकतंत्र की पाठशाला, छात्रों का यहां आना प्रेरणादायी : गजेन्द्र

दुर्ग। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान दुर्ग जिले के अलग-अलग विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया। इस दौरान छात्रों ने प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से मुलाकात कर लोकतंत्र, विधानसभा की कार्यप्रणाली और जनप्रतिनिधियों की भूमिका से जुड़े विषयों पर संवाद किया। शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का सदन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी पाठशाला भी है। यहां आकर विद्यार्थी लोकतांत्रिक व्यवस्था को निकट से समझते हैं और संविधान के प्रति सम्मान तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। उन्होंने बताया कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पाऊवारा, कोड़िया, चंदखुरी सहित दर्ग जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही देखी तथा अनेक विषयों पर उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर व्यवहारिक शिक्षा भी दें।

विधायक चंद्राकर ने नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत किया

भिलाई। ग्राम पुरई के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर रहे। नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक कर और पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया तथा नए शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

कक्षा 6 से 12 तक प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नवनिर्वाचित छात्र संघ पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलाई गई। विधायक चंद्राकर ने कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की मजबूत नींव है। अनुशासन और मेहनत से पढ़ाई कर परिवार व विद्यालय का नाम आगे बढ़ाएं। उन्होंने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि उद्देश्य हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है।

विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के 449 मामले सुलझे, 13 करोड़ से ज्यादा की रही समझौता राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा सुलभ, त्वरित एवं प्रभावी न्याय की अवधारणा को साकार करने 18 जुलाई 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में विशेष लोक अदालक का आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया।

विशेष लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक बाउंस प्रकरण) से संबंधित लंबित मामलों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दुर्ग जिले में कुल 15 खंडपीठ का गठन किया गया था, जिनके द्वारा कुल 1001 प्रकरण चिन्हांकित किए गए थे, जिनमें से कुल 449 मामले निराकृत किए गए तथा समझौता राशि 13,88,05,129 रही।

विशेष लोक अदालत का उद्देश्य पक्षकारों को आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण संवाद के माध्यम से विवादों का त्वरित, कम खर्चीला एवं स्थायी समाधान उपलब्ध कराना था। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की भावना के अनुरूप आयोजित इस विशेष लोक अदालत ने यह सिद्ध किया कि आपसी सहमति के माध्यम से विवादों का समाधान न्याय प्राप्ति का सबसे प्रभावी एवं व्यवहारिक माध्यम है। इस विशेष लोक अदालत में अपेक्षित एवं उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुए, जिसके पीछे जिला स्तर पर की गई सुनियोजित रणनीति, सतत समन्वय एवं व्यापक पूर्व तैयारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विशेष लोक अदालत को सफल बनाने के लिए माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आकांक्षा राठौर एवं अंजली सिंह की एक विशेष टीम गठित की गई थी। उक्त टीम द्वारा संबंधित अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों से निरंतर संपर्क स्थापित करते हुए उन्हें आपसी संवाद एवं समझौते के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, प्रकरणवार सतत अनुश्रवण एवं समन्वय के माध्यम से अधिकाधिक मामलों के सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु अथक एवं सराहनीय प्रयास किए गए।

विशेष लोक अदालत की सफलता में मध्यस्थता केन्द्र, दुर्ग की भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही। मध्यस्थ न्यायाधीशों द्वारा अनेक प्रकरणों में पक्षकारों को धैर्यपूर्वक समझाइश देकर, संवाद की सकारात्मक प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए आपसी सहमति का वातावरण निर्मित किया गया, जिसके फलस्वरूप अनेक मामलों में सफल समझौते संभव हो सके। मध्यस्थता केन्द्र की यह सक्रिय भूमिका विशेष लोक अदालत की सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार सिद्ध हुई।

विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन में जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग का उल्लेखनीय सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता रही। अधिवक्ताओं द्वारा अपने-अपने पक्षकारों को आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए प्रेरित करते हुए प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। इसके अतिरिक्त, विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भी विशेष लोक अदालत में सकारात्मक सहयोग प्रदान करते हुए लंबित चेक अनादरण (धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम) प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण निपटारे हेतु सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने इस विशेष लोक अदालत की सफलता में सहयोग प्रदान करने वाले सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, मध्यस्थ न्यायाधीशों, न्यायालयीन कर्मचारियों एवं पक्षकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार आपसी समझौते एवं संवाद की भावना को बढ़ावा देकर न्याय को अधिक सरल, सुलभ एवं प्रभावी बनाया जाता रहेगा।

पर्यावरण मित्र मंडल और लायंस क्लब भिलाई पिनाकल ने रोपे पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पर्यावरण मित्र मंडल संस्था की ओर से सड़क 13 क्वार्टर नंबर 7बी, सेक्टर 10 में प्रकाश बंछोर की उपस्थिति में पीपल के छायादार पौधे रोपित किए। पौधों को जाली तार से सुरक्षित किया गया। अध्यक्ष बालूराम वर्मा, सियाराम कश्यप, देव सिंग साहू, अरुप राय, कैलाश जोशी, भागवत साहू, जीपी त्रिपाठी मौजूद रहे।

इधर गुरुकुल स्कूल, सूर्य विहार में लायंस क्लब भिलाई पिनाकल ने वृहद सतर पर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में स्कूल परिसर में छायादार पौधे लगाए गए और उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी स्थापित किए गए, ताकि पौधे सुरक्षित रहकर आगे चलकर वृक्ष बन सकें।

क्लब अध्यक्ष शालिनी सोनी, रीजन चेयरपर्सन अंजना विनायक और चार्टर प्रेसिडेंट विभा भूटानी, प्रिया रस्तोगी, रश्मि गेदाम, डॉ. सुब्रता नागपाल, उषा चक्रवर्ती, सुषमा दुबे आदि ने पौधे लगाए।

महापौर अलका बाघमार ने बाटे ऑफर लेटर जॉब के लिए दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम के महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर,ज्ञानेश्वर ताम्रकर एवं पार्षदों के बीच स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अँजोरा 11 प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरण किया गया, महापौर बाघमार जी ने सभी छात्राओं से सामान्य बातचीत की उनका परिचय पूछा जॉब के लिए उन्हें मोटिवेट प्रेरित किया।

प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अंजोरा मल्टीफंक्शनल ऑफिस एसोसिएट डिपार्टमेंट के

12 छात्र-छात्राओं 45 दिन प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद रोजगार मिला। इस प्रशिक्षण से बेरोजगार युवाओं को रोजगार अवसर मिल रहा हैं युवाओं की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर मल्टीफंक्शनल ऑफिस असोसिएट का प्रशिक्षण मे इण्डस्ट्रीज की उपयोगी जानकारी सिखाई जा रही है छात्र-छात्राओं के सर्वागीण विकास के लिए प्रशिक्षण में कम्युनिकेशन स्किल, स्वाफ्ट स्किल को शामिल किया गया हैं। स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अंजोरा के सेंटर हेड सुभाष डोंगरे ने बताया की अंजोरा में ग्रामीण युवाओं को आवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है छात्र-छात्राओं को राज्य तथा राज्य के बाहर जॉब मिला हैं।

सभी तेजस्विनी, मंजू, सुमन, उमेशस्वरी, मुस्कान इनका छात्राओं का मासिक इनहैंड सैलरी 22 हजार रूपये सैलरी है उन छात्राओं कल्याण swiggy कंपनी में प्लसमेंट हुआ है अब जॉब से छात्राओं की आर्थिक स्थिति सुधरेगी। प्लेसमेंट लेटर वितरण कार्यक्रम के स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अंजोरा हॉस्पिटालिटी से सेंटर हेड सुभाष डोंगरे तथा ट्रेनर शिवानी कँवर ऑफर लेटर वितरण कार्यक्रम में उपस्थित रहे,एवं पहली जॉब के लिए बधाई दी।

छात्राओं के खिले चहरे छात्र कपिल एवं चमेली ने बताया की पहले हम पढाई कर रहे थे, अब प्रावेट पढाई के साथ जॉब भी करेंगे ट्रेनिंग सेंटर में ग्रूमिंग, होटल के बारे में जानने को मिला इसके अलावा बातचीत करने तरीके कम्युनिकेशन स्किल, टेक्निकल तथा नॉन टेक्नीकल क्लासेस से सर्वागीण विकास हुआ हैं, पहले लोगो के सामने बोलने में डर झिझक लगता था, अब आत्मविश्वास बढ़ा हैं।

प्रमाण पत्र वितरण में एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर,पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर, सरिता चंद्राकर उपस्थित रहे एवं प्लेसमेंट प्राप्त करने पर युवाओं को शुभकामनाएं दी।

वर्षा जल संरक्षण एवं भूजल रिचार्ज की अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले के पाटन एवं धमधा विकासखंड में वर्षा जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज की अभिनव पहल की गई है। जलवायु परिवर्तन, गिरते भूजल स्तर एवं जल सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा पाटन एवं धमधा विकासखंड के चयनित ग्रामों में मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत वर्षा जल संरक्षण एवं भूजल रिचार्ज को बढ़ावा देने हेतु विशेष पहल की जा रही है।

बजरंग कुमार दुबे मुख्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग के मार्गदर्शन में वाटरएड इंडिया के सहयोग से संचालित इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देना तथा चयनित ग्रामों को चरणबद्ध रूप से

जल-सुरक्षित ग्राम के रूप में विकसित करना है।

अभियान के तहत मानसून प्रारंभ होने से पूर्व सभी प्रमुख जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर लिया गया, जिससे इस वर्ष प्राप्त होने वाले वर्षा जल का अधिकतम संचयन एवं भूजल पुनर्भरण सुनिश्चित किया जा सके। चयनित ग्रामों में कुल 6 इंजेक्शन वेल निर्मित किए गए हैं, जिनके माध्यम से वर्षा जल को वैज्ञानिक पद्धति से सीधे भूजल स्तर तक पहुंचाया जाएगा। इन इंजेक्शन वेलों के माध्यम से लगभग 9,324 वर्गमीटर जलग्रहण क्षेत्र का वर्षा जल संरक्षित एवं पुनर्भारित होगा, जिससे आसपास स्थित 47 पेयजल स्रोतों के जलस्तर को बनाए रखने में सहायता मिलेगी। ग्राम घुघुवा, पतोरा, चुन्कत्ता, सेलूद, गोंडपेंड्री एवं फेकारी में स्थापित इंजेक्शन वेलों से लाखों लीटर वर्षा जल का भूजल में पुनर्भरण होगा, जिससे भविष्य में पेयजल उपलब्धता को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

वर्षा जल संरक्षण के साथ-साथ घरेलू एवं सामुदायिक अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। ग्राम सेलूद एवं गोंडपेंड्री में लगभग 75 घरेलू सोख्ता संरचनाओं का निर्माण किया गया है। वहीं चयनित ग्रामों में 5 सामुदायिक सोख्ता गड्ढों का निर्माण हैंडपंपों के समीप किया गया है, जिससे व्यर्थ बहने वाले जल का उपयोग भूजल पुनर्भरण में किया जा रहा है। इससे जलभराव एवं गंदगी में कमी आने के साथ स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है।

महिलाओं उद्यमियों के हुनर को दिया गया मंच

भिलाई। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके हुनर को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट और वी क्लब भिलाई ग्रेट ने नेहरू नगर ईस्ट स्थित राधा कृष्ण मंदिर में दो दिवसीय आकर्षण एग्जिबिशन का आयोजन किया है। हर साल आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी में इस बार भी बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं। उद्घाटन के पहले ही दिन खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी।

प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीना अग्रवाल और विशेष अतिथि सुनीता अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ उन्हें अपने हुनर को पहचान दिलाने का भी बेहतर अवसर देते हैं। ऐसे प्रयास लगातार होते रहने चाहिए। प्रदर्शनी में भिलाई, दुर्ग, रायपुर, बिल्हा, गोंदिया, बिलासपुर, धमतरी, उतई, राजनांदगांव और नागपुर सहित कई शहरों से आई महिला स्वावलंबियों ने स्टॉल लगाए हैं। यहां भगवान की आकर्षक पोशाकें, कान्हा जी के झूले, वंदनवार, ज्वेलरी, पर्स, साड़ियां, सूट, कुर्तियां, लहंगे, जैकेट, राजस्थानी लहंगा-चुनरी, बेडशीट, राखियां, गिफ्ट आइटम, बच्चों के सामान, बड़ी-पापड़, सूखा नाश्ता, माउथ वॉश समेत कई घरेलू और सजावटी उत्पाद उपलब्ध हैं। लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट की चार्टर अध्यक्ष अनिता अग्रवाल, अध्यक्ष मंजू शर्मा, सचिव रितु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ऊषा अग्रवाल, वी क्लब भिलाई ग्रेट की अध्यक्ष मीरा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सरोज अग्रवाल व सदस्य उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में 'कनेक्टकॉन-2026' पीआर कॉन्क्लेव का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा 18 जुलाई 2026 को भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में राष्ट्रीय स्तर के पीआर कॉन्क्लेव 'कनेक्टकॉन-2026' का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्देश्य जनसंपर्क के क्षेत्र में उभरती तकनीकों, नवीन प्रवृत्तियों, चुनौतियों, अवसरों तथा बदलते संचार परिदृश्य पर सार्थक विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र रहे। उन्होंने संयंत्र के कार्यपालक निदेशकों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित भिलाई इस्पात संयंत्र की कॉफी टेबल बुक आई एम भिलाई का भी विमोचन किया गया।

कॉन्क्लेव में सेल की विभिन्न इकाइयों जैसे राउरकेला इस्पात संयंत्र, सेल कॉर्पोरेट कार्यालय (नई दिल्ली), वीआईएसएल, सेल रिफ्रैक्टरी यूनिट तथा चंद्रपुर फेरो अलॉय प्लांट के जनसंपर्क प्रतिनिधियों के साथ-साथ आकाशवाणी, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी), दूरदर्शन, एनएसपीसीएल, भारतीय स्टेट बैंक, माई भारत सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के अनेक आंतरिक संसाधन व्यक्तियों ने भी प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता की।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक ए. के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक पी. के. सरकार, कार्यपालक निदेशक कमल भास्कर, कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषार कांत सहित मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, अधिकारी संघ के पदाधिकारी एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व अधिकारी उपस्थित रहे।

निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने अपने संबोधन में 'कनेक्टकॉन-2026' के आयोजन के लिए जनसंपर्क विभाग को बधाई देते हुए कहा कि जनसंपर्क आज केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास निर्माण, हितधारकों के साथ सशक्त संवाद स्थापित करने तथा किसी भी संगठन की उपलब्धियों को पारदर्शिता एवं उद्देश्यपूर्ण ढंग से समाज तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक उपकरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि सेल की उत्पादन क्षमता को 20 मिलियन टन से बढ़ाकर 30 मिलियन टन तथा भिलाई इस्पात संयंत्र की क्षमता को 6.8 मिलियन टन से बढ़ाकर 10.2 मिलियन टन करने की महत्वाकांक्षी योजना केवल औद्योगिक विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे विकास कार्यों से रोजगार सृजन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन, आधारभूत संरचना के विकास तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों एवं उनके व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाने में जनसंपर्क पेशेवरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक प्रभारी अमूल्य प्रियदर्शी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कॉन्क्लेव की विषयवस्तु, उद्देश्य एवं विभिन्न तकनीकी सत्रों की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कॉन्क्लेव का प्रथम तकनीकी सत्र 'पेचा-कुचा' प्रारूप पर आधारित था, जिसमें प्रत्येक वक्ता ने 20 स्लाइडों के माध्यम से 20-20 सेकंड की संक्षिप्त एवं प्रभावी प्रस्तुति दी।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

किसानों ने अपनाया लाभकारी फसलों का विकल्प

रायपुर। राज्य के किसान लाभकारी फसलों की तरफ बढ़ रहे है जिससे उनकी आमदनी में इजाफा हो रहा है, महासमुंद जिले में खरीफ मौसम के दौरान धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा लगातार किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी प्रयास के तहत जिले में लगभग 1,000 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंगफली की खेती की जा रही है। यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, जल संरक्षण तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। कृषि उपसंचालक एफआर कश्यप ने बताया कि सरायपाली विकासखंड के ग्राम बोंदानवापाली के किसान फागू लाल कैवर्त और नंदकुमार कैवर्त इस बदलाव के साक्षी हैं। दोनों किसानों ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के अंतर्गत धान के स्थान पर 0.40-0.40 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 जुलाई 2026 को मूंगफली की बुवाई की।इन किसानों का कहना है कि मूंगफली की खेती में धान की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। साथ ही इसकी लागत अपेक्षाकृत कम होने के कारण लाभ की संभावना अधिक रहती है।

मेरा युवा भारत जशपुर द्वारा नशा मुक्ति केंद्र में ईएलपी का सफल आयोजन

जशपुरनगर। मेरा युवा भारत जशपुर द्वारा जिला प्रशासन जशपुर के समाज कल्याण विभाग के समन्वय तथा ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र, जशपुरनगर में 13 जुलाई से 17 जुलाई तक एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति केंद्र में उपचाररत व्यक्तियों से संवाद कर उनके जीवन अनुभवों को जाना। उन्होंने समझा कि किन परिस्थितियों और कारणों से लोग नशे की ओर आकर्षित होते हैं, नशा छोड़ने की प्रक्रिया में उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा इस दौरान परिवार और समाज का सहयोग कितना महत्वपूर्ण होता है। प्रतिभागियों ने यह भी जाना कि युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए समय पर जागरूकता, उचित परामर्श, सकारात्मक पारिवारिक एवं सामाजिक वातावरण तथा खेल, शिक्षा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने किया हैंडपंपों का क्लोरीनेशन

एमसीबी। जिले में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत तोजा के ग्राम तोजा में विशेष क्लोरीनेशन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गांव के सभी प्रमुख सार्वजनिक हैंडपंपों का निर्धारित मानकों के अनुरूप क्लोरीनेशन कर पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई। विभाग की इस पहल से ग्रामीणों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशन एवं सहायक अभियंता जयंत कुमार चंदेल के मार्गदर्शन में विभाग की तकनीकी टीम तथा हैंडपंप टेक्निशियनों ने अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया।

सीएससी स्थापना दिवस पर PACS ड्रोन मॉडल को मिली विशेष पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित धोनो धान्यो ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की अभिनव पहल **PACS** ड्रोन मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली।

कार्यक्रम में जिले द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से संचालित ड्रोन सेवाओं, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा किसान पंजीयन (फार्मर रजिस्ट्री) जैसे नवाचारों की सराहना की गई। समारोह के मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री दिलीप घोष थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत धमतरी जयंत नाहटा ने **PACS** के माध्यम से कृषि उन्नयन विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लेते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन सेवाओं के विस्तार तथा **PACS** को 'वन स्टॉप रूरल सर्विस सेंटर' के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले की 10 प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से ड्रोन द्वारा तरल उर्वरकों का छिड़काव किया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ में धमतरी जिले की एक अभिनव पहल है। उन्होंने कहा कि भविष्य में **PACS** के माध्यम से किसानों को कृषि यंत्रीकरण, डिजिटल सेवाएं, फसल सर्वेक्षण, किसान पंजीयन, वित्तीय एवं बैंकिंग सेवाओं सहित विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की योजना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक कृषि सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी तथा किसानों को तकनीक आधारित सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त होगा। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत कम करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी-व्हीएलई को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल शासन के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अपर मुख्य सचिव, भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव तथा सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिल कुमार सहित देशभर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं सीएससी प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नई दिल्ली के होटल ताज में आयोजित फेथ कांक्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन की प्रभावशाली प्रस्तुति

राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूत हुई प्रदेश की पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र की अग्रणी संस्था फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी द्वारा होटल ताज, नई दिल्ली में आयोजित फेथ कांक्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराते हुए राष्ट्रीय पर्यटन परिदृश्य में प्रदेश की सशक्त पहचान को नई ऊंचाई प्रदान की। सम्मेलन में देशभर से आए पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी विशेषज्ञों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल एजेंट्स, विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों के प्रतिनिधियों, ट्रैवल मीडिया तथा पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख हितधारकों की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विषय पर विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, जनजातीय एवं साहसिक पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों को बताया कि छत्तीसगढ़ अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, अद्वितीय जनजातीय जीवन, घने वन, जलप्रपातों, पुरातात्विक धरोहरों, वन्यजीव संपदा और आध्यात्मिक स्थलों के कारण देश के सबसे विशिष्ट पर्यटन गंतव्यों में तेजी से उभर रहा है।

पैनल चर्चा के दौरान प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना के विस्तार, नई पर्यटन नीतियों, निजी निवेश की संभावनाओं, सामुदायिक सहभागिता, ईको-टूरिज्म, होम-स्टे, धार्मिक पर्यटन, हेरिटेज पर्यटन तथा सतत पर्यटन विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। साथ ही देश-विदेश से आए टूर ऑपरेटरों एवं पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ का भ्रमण कर यहां की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और पर्यटन अनुभवों से रूबरू होने का आमंत्रण दिया गया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज केवल प्राकृतिक सौंदर्य का प्रदेश नहीं, बल्कि अनुभव आधारित पर्यटन का एक उभरता हुआ केंद्र बनकर सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को रोजगार, निवेश और स्थानीय आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे छत्तीसगढ़ आएं, यहां की अनूठी संस्कृति, आतिथ्य और पर्यटन स्थलों का अनुभव करें तथा राज्य को अपने पर्यटन परिपथों में प्रमुख स्थान दें।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने कहा कि राज्य में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए अधोसंरचना, डिजिटल प्रचार-प्रसार, निवेश अनुकूल वातावरण, निजी क्षेत्र की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण पर्यटन सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक विशिष्ट एवं पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने विभिन्न राज्यों, ट्रैवल एजेंसियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से साझेदारी बढ़ाने तथा छत्तीसगढ़ में पर्यटन व्यवसाय की नई संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यटन की प्रस्तुति को उपस्थित प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सराहा तथा राज्य की विविध पर्यटन संभावनाओं में गहरी रुचि दिखाई। पर्यटन विशेषज्ञों ने माना कि प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, साहसिक और जनजातीय पर्यटन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के पास अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें प्रभावी प्रचार-प्रसार और साझेदारी के माध्यम से वैश्विक पहचान दिलाई जा सकती है। फेथ कांक्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन की यह प्रभावशाली भागीदारी देश के पर्यटन मानचित्र पर राज्य की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने, नए निवेश आकर्षित करने, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नेटवर्क से जुड़ने तथा अनदेखा भारत के रूप में छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इतवारी-मधुपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी के मध्य श्रावणी मेला स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन परिचालन की सुविधा

रायपुर -दुर्ग के यात्रियों को श्रावणी मेला स्पेशल की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 08895/08896 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-मधुपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी के मध्य साप्ताहिक श्रावणी मेला विशेष ट्रेन का संचालन दोनों दिशाओं में 05-05 फेरों के लिए किया जाएगा।

गाड़ी संख्या 08895 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी मधुपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 01.08.2026 से 29.08.2026 तक प्रत्येक शनिवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से 04:30 बजे प्रस्थान कर गोंदिया (06:28/06:30), डोंगरगढ़ (07:30/07:32), राजनांदगांव (07:58/08:00), दुर्ग (08:35/08:37), रायपुर (09:30/09:35), भाटापारा (10:35/10:37), बिलासपुर (11:40/11:50), चांपा (12:41/12:43), रायगढ़ (13:51/13:53), बेलपहाड़ (14:29/14:31), ब्रजराजनगर (14:40/14:42) एवं अपने निर्धारित मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुए अगले दिन 06:00 बजे मधुपुर पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 08896 मधुपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 02.08.2026 से 30.08.2026 तक प्रत्येक रविवार मधुपुर से 09:00 बजे प्रस्थान कर अपने निर्धारित मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ब्रजराजनगर (23:50/23:52), बेलपहाड़ (00:01/00:03), रायगढ़ (00:55/00:57), चांपा (02:15/02:17), बिलासपुर (03:20/03:30), भाटापारा (04:18/04:20), रायपुर(05:20/05:25), दुर्ग (06:20/06:22), राजनांदगांव (06:48/06:50), डोंगरगढ़ (07:15/07:17), गोंदिया (08:25/08:27) होते हुए अगले दिन 11:50 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन में 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 10 शयनयान, 04 सामान्य श्रेणी तथा 02 एसएलआरडी (गार्ड सह लगेज एवं दिव्यांगजन) सहित कुल 20 कोच लगाए जाएंगे।

रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि श्रावणी मेला के दौरान यात्रा के लिए इस विशेष ट्रेन का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यात्री अपनी यात्रा की योजना बनाते समय ट्रेन के निर्धारित समय एवं ठहराव की जानकारी रेलवे के अधिकृत माध्यमों से प्राप्त करें।

केके रोड मौदहापारा अब कृष्ण कुमार शर्मा मार्ग के नाम से जाना जायेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब राजधानी रायपुर शहर का के के रोड मौदहापारा को जयस्तम्भ चौक से फफाडीह चौक के मध्य के मार्ग को कृष्ण कुमार शर्मा मार्ग के नाम से जाना जायेगा. नागरिक इस मार्ग को के के रोड मौदहापारा के नाम विगत कई वर्षो से जानते हैँ, किन्तु यहां मार्ग के नामकरण से सम्बंधित कोई सूचना बोर्ड नहीं लगा था।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने सनातन धर्म के सेवक स्वर्गीय कृष्ण कुमार शर्मा के परिवारजनों द्वारा विगत दिनों उनके ब्राम्हणपारा वार्ड क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान उन्हें कृष्ण कुमार शर्मा के परिवारजनों ने इस ओर ध्यान आकृष्ट करवाया एवं रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी से मार्ग में कृष्ण कुमार शर्मा मार्ग नामकरण पट्टीका लगवाने का अनुरोध किया, इसे रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने तत्काल संज्ञान में लिया एवं नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ से इस पर चर्चा कर उन्हें के के रोड मौदहापारा में कृष्ण कुमार शर्मा मार्ग की नामपट्टीका तत्काल बनवाकर लगवाने का सुझाव दिया। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी के सुझाव पर नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने तत्काल नगर निगम जोन 2 अधिकारियों को इस पर आवश्यक निर्देश देकर नगर निगम जोन 2 के माध्यम से कृष्ण कुमार शर्मा मार्ग नामकरण पट्टीका तत्काल बनवाकर उसे जयस्तम्भ चौक के सामने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ब्रांच के सामने मार्ग के किनारे और फफाडीह बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज के सामने मार्ग के किनारे कृष्ण कुमार शर्मा मार्ग नामकरण पट्टीका लगवाई.

आज रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने के के रोड मौदहापारा पहुंचकर वहाँ लगायी गयी कृष्ण कुमार शर्मा मार्ग नामकरण पट्टीका का अनावरण रायपुर नगर निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़, ब्राम्हणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू सहित सामाजिक कार्यकर्त्ता कृष्ण कुमार अवधिया, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष नीतू शर्मा, सामाजिक कार्यकर्त्ता आकाश पाण्डेय, चांदनी देवांगन एवं जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता पी. डी. धृतलहरे, सनातन धर्म के सेवक स्वर्गीय कृष्ण कुमार शर्मा के भतीजे अशोक शर्मा एवं उनके अन्य परिवारजनों की उपस्थिति में किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांसाबेल सीएचसी के लिए प्रदत्त एम्बुलेंस का किया लोकार्पण

सालिक साय द्वारा प्रदत्त एम्बुलेंस से मरीजों की आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं में होगी वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को बंदरचुवां में जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय द्वारा जनहित में प्रदत्त एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पण किया। यह एम्बुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांसाबेल में तैनात रहेगी और क्षेत्र के मरीजों को समय पर आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय को जनहित में एम्बुलेंस प्रदत्त करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि समाज और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए इस प्रकार की पहल अनुकरणीय है। उन्होंने सालिक साय के जनसेवा के प्रति समर्पण और समाजहित में उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं आमजन मौजूद रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने बताया कि एम्बुलेंस का रखरखाव, चालक का मानदेय तथा ईंधन सहित इसके संचालन का संपूर्ण व्यय उनके द्वारा वहन किया जाएगा। यह एम्बुलेंस क्षेत्र में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान मरीजों को अस्पताल तक लाने-ले जाने के लिए उपलब्ध रहेगी, जिससे कांसाबेल क्षेत्र के लोगों को त्वरित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

रामनगर और देहरादून के बीच पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन से उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच संपर्क उत्तम होगा

रेल मंत्री वैष्णव ने रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नई दिल्ली (पीआईबी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज वर्चुअल माध्यम से रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही रामनगर और देहरादून को जोड़ने वाली पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत हुई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अवसर पर उपस्थित हुए। यह नई ट्रेन इस क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है और यह उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को काफी मजबूत करेगी।

एक्सप्रेस ट्रेन हर बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 15310 रामनगर से सुबह 5:50 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 12:40 बजे देहरादून पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, ट्रेन संख्या 15309 देहरादून से दोपहर 15:55 बजे प्रस्थान करेगी और रात 23:30 बजे रामनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में काशीपुर, रोशनपुर, पिपल्सना, मुरादाबाद, नजीबाबाद और हरिद्वार स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी सेकंड क्लास, एसी थर्ड क्लास, एसी चेयर कार, स्लीपर क्लास, सेकंड सिटिंग और जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे, जो विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा विकल्प प्रदान करेंगे।

यह नई सेवा उत्तराखंड के नैनीताल, उधम सिंह नगर, हरिद्वार और देहरादून जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बिजनौर जिलों के निवासियों को लाभ पहुंचाएगी, जिनमें छात्र, किसान, व्यापारी और समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल हैं। इससे देहरादून और हरिद्वार के लिए सुविधाजनक एक ही दिन में कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे यात्री घर लौटने से पहले अपने आधिकारिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत कार्यों को पूरा कर सकेंगे।

इस ट्रेन से क्षेत्र में पर्यटन और तीर्थयात्रा को बढ़ावा मिलने की भी आशा है। इससे जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, रामनगर के पास कोसी नदी के बीच एक विशाल चट्टान पर स्थित गिरिजा देवी मंदिर और सीतामढ़ी/सीतावनी के प्राचीन धार्मिक स्थलों तक उत्तम कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके अलावा, हरिद्वार और देहरादून से आगे की कनेक्टिविटी के माध्यम से यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनात्री सहित चार धाम तीर्थयात्रा मार्ग तक पहुंचना अधिक सुविधाजनक होगा।

श्री वैष्णव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेगी। यह दोनों शहरों के बीच चलने वाली पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन है और इससे उत्तराखंड के लोगों को तेज, अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय रेल संपर्क मिलने की आशा है।

उन्होंने यह भी बताया कि हरिद्वार पर दबाव कम करने के लिए ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को फीडर स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें अतिरिक्त क्षमता सृजित करना और हरिद्वार और ऋषिकेश आने-जाने वाले यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार करना शामिल है। श्री वैष्णव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तराखंड में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास तेजी से प्रगति कर रहा है।

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत, लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भी

शहनाज गिल...

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांज् आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।

फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता।

बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं। इश्कनामा भारत के साथ-साथ कनाडा और ब्रिटेन में 24 जुलाई को रिलीज होगी।

जेलर 2 की रिलीज डेट का एलान

बॉक्स ऑफिस पर चिरंजीवी की विश्वंभरा से क्लैश होगी रजनीकांत की फिल्म

जेलर 2 सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म है। जेलर को नेल्सन दिलीप कुमार ने डायरेक्ट किया था और सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। जेलर 2 इसी फिल्म का सीक्वल है। एक साल से ज्यादा समय से फिल्म की शूटिंग चल रही है, और इस बात की चर्चा बढ़ रही है कि फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच, फिल्म मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने रजनीकांत के फैंस को बताया कि सरप्राइज मिलने वाला है। इस पोस्ट को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, टाइगर शिकार पर वापस आ गया है। इस पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया।

मेकर्स ने जेलर 2 की रिलीज डेट का एलान किया। मेकर्स ने एक दमदार वीडियो शेयर किया और फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया। वीडियो पोस्ट करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, मेरा मूल सिद्धांत। जेलर 2 15 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जेलर 2 दशहरा पर सोलो रिलीज नहीं होगी। सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म की टक्कर सीधे चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित फैंटेसी फिल्म विश्वंभरा से होगी। जेलर 2 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के मुताबिक, चिरंजीवी की विश्वंभरा जेलर 2 की रिलीज से ठीक एक दिन बाद यानी 16 अक्टूबर 2026 को बॉक्स ऑफिस दस्तक देगी।

बता दें जेलर 2 की शूटिंग पहले ही खत्म हो चुकी है. अप्रैल 2026 को मेकर्स ने सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थी और फैंस को बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस सीक्वल से उम्मीद है कि इसमें भी वही स्टाइल, मास अपील और जबरदस्त कहानी का मेल देखने को मिलेगा, जिसने पहले भी दर्शकों का दिल जीत लिया था। संगीत की जिम्मेदारी एक बार फिर अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली है, जिनका साउंडट्रैक पहली फिल्म में धमाल मचा दिया था। नेल्सन दिलीप कुमार इस सीक्वल को डायरेक्ट कर रहे हैं। यह सीक्वल ओरिजिनल जेलर की सफलता के बाद आ रहा है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया था। अनिरुद्ध, जिनके म्यूजिक ने पहले पार्ट को ब्लॉकबस्टर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, वे दूसरे पार्ट के लिए भी म्यूजिक दे रहे हैं।

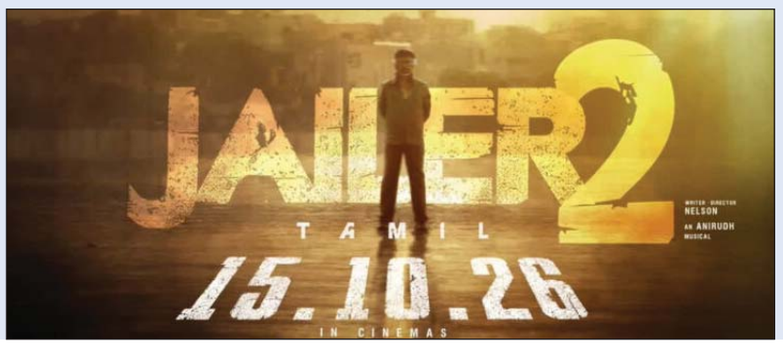

खुशाली कुमार ने दुल्हनिया ले आएगी को बताया अपने करियर का खास किरदार

निर्देशक बोले- हटकर अंदाज में होगी दुल्हन

अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म दुल्हनिया ले आएगी को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया।

खुशाली कुमार ने कहा, जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई। उन्होंने कहा, फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे-धीरे समझ पाएंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे।

वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, दुल्हनिया ले आएगी एक ऐसी कहानी है जो परिवार, रिश्तों और उनके बीच की उलझनों को मजेदार अंदाज में दिखाती है। आज के समय में रिश्तों की जटिलताएं बढ़ गई हैं, और इस फिल्म में उन्हीं भावनाओं को एक मनोरंजक रूप में पेश किया गया है।

निर्देशक ने कहा, फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका मुख्य किरदार है, यानी दुल्हन। यह दुल्हन पारंपरिक सोच से बिल्कुल अलग है।

उसमें आत्मविश्वास है, थोड़ी शरारत है और वह कई बार दर्शकों को चौंका भी देती है। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को जोडने की क्षमता रखती है क्योंकि इसमें हंसी, भावनाएं और परिवार का मेल है। फिल्म के पहले पोस्टर की बात करें तो उसमें खुशाली कुमार दुल्हन के अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्राइडल लहंगा पहना हुआ है, लेकिन उसके साथ सनग्लासेस लगाए हुए हैं। यह कॉम्बिनेशन ही फिल्म के किरदार की खासियत को दर्शाता है कि यह दुल्हन साधारण नहीं है, बल्कि अपने अंदाज में जीने वाली लड़की है। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अहान और अनीत की 'सैयारा' को एक साल पूरा; मेकर्स ने दिया फैंस को यह तोहफा

यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म 'सैयारा' बीते वर्ष आज के दिन ही रिलीज हुई थी। इसके जरिए अहान पांडे ने अभिनय की दुनिया में पहला कदम रखा। वहीं, अनीत पड्डा की भी यह बतौर लीड अभिनेत्री पहली फिल्म है। इस फिल्म को दर्शकों ने हाथों हाथ लिया और रातों-रात अहान पांडे अपनी डेब्यू फिल्म से ही स्टार बन गए।

मेकर्स लाए फैंस के लिए तोहफा

फिल्म की पहली एनिवर्सरी पर फैंस के लिए खास तोहफा भी पेश किया है। दरअसल, मेकर्स खास मौके पर फिल्म का 'एक्सक्लूसिव 2-डिस्क कलेक्टर एडिशन एलपी' लेकर आए हैं। फिलहाल इसका सीमित एडिशन ही आज रिलीज हुआ है। अहान पांडे और अनीत 'सैयारा' की पहली सालगिरह मनाने के लिए लंदन के वेम्बली स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने फिल्म के लिए एक 'कलेक्टर्स एडिशन विनाइल एलपी' लॉन्च की। यह पैकेज फैंस और म्यूजिक के शौकीनों को फिल्म के पूरे म्यूजिकल सफर को फिर से महसूस करने का एक शानदार अनुभव देने के लिए बनाया गया है।

इस तरह मनाया पहली एनिवर्सरी का जश्न

फिल्म का एक साल पूरा होने पर यश राज फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें लिखा है, 'फिल्म 'सैयारा' का एक साल। वेम्बली में वाणी और कृष। लगता है यह किस्मत में ही लिखा था। 'सैयारा' को अपने दिलों में जगह देने के लिए आपका शुक्रिया। यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

उन सभी 'सैयारा' फैंस के लिए, जिन्हें हमारा म्यूजिक, हमारी आवाजें और हमारे डायलॉग्स पसंद आए। अब आप 'एक्सक्लूसिव 2-डिस्क कलेक्टर एडिशन एलपी' पा सकते हैं, जिसमें कुछ खास यादगार चीजें भी हैं। यह हमारा एक हिस्सा है। आपके लिए। हमेशा के लिए। लिमिटेड एडिशन। आज रिलीज हो रहा है। अब दुनियाभर में उपलब्ध है'।

'सैयारा' का बॉक्स ऑफिस

अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत फिल्म 'सैयारा' को युवाओं का जबर्दस्त रेस्पॉन्स मिला था। सिनेमाघरों में देखने पहुंचे कई युवा इस फिल्म को देखकर फूट-फूटकर रोए। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो खूब चर्चा में रहे थे। फिल्म का संगीत भी काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म ने 300 करोड़ क्लब में एंट्री ली थी। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी 'सैयारा' ने सैकनिल्क पर प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक 329.73 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

पूल नूडल्स से की जा सकती है कसरत, मिल सकते हैं कई फायदे

पूल नूडल्स एक प्रकार का एक्सरसाइज उपकरण है, जिसका इस्तेमाल पानी में किया जाता है। यह उपकरण न केवल मजेदार है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके शरीर को मजबूत और फिट बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि पूल नूडल्स का उपयोग करके कौन-कौन सी एक्सरसाइज की जा सकती हैं और इनके क्या-क्या फायदे हैं।

दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाने में सहायक

पूल नूडल्स का उपयोग करके आप दिल और सांस की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाती हैं।

पानी में की जाने वाली यह एक्सरसाइज शरीर के पूरे हिस्से पर असर डालती है और आपको तेजी से फिट बनाती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके शरीर की सहनशक्ति को भी बढ़ाती है, जिससे आप लंबे समय तक बिना थके एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपका शरीर तंदुरुस्त और सक्रिय रहता है।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान कर सकती है

पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की ताकत बढ़ाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं।

इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी बाजू, पीठ और कंधे मजबूत होते हैं।

इसके अलावा आप नूडल्स को ऊपर-नीचे करके भी अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की ताकत भी बढ़ती है।

शरीर को लचीला बनाने में मददगार

पूल नूडल्स की मदद से आप अपने शरीर को लचीला बना सकते हैं। इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी पीठ, पैर और कंधे की लचीलापन बढ़ती है।

इसके अलावा आप नूडल्स को दोनों हाथों से पकड़कर घुमाने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी हाथों की लचीलापन बढ़ती है। इससे आपकी शरीर की सभी प्रमुख मांसपेशियां मजबूत होती हैं और लचीला रहता है।

तनाव को कम करने में है कारगर

पूल नूडल्स की मदद से आप तनाव मुक्त हो सकते हैं। इसके लिए आप पानी में तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर पीछे की ओर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मन शांत होता है।

इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपके मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं।

वजन कम करने में है मददगार

पूल नूडल्स की मदद से आप वजन घटा सकते हैं। इसके लिए आप तेज गति से तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर आगे-पीछे झुलाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है।

इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को फिट रख सकते हैं।

राजमेरगढ़ बनेगा छत्तीसगढ़ का नया पर्यटन आकर्षण, प्राकृतिक धरोहर और स्थानीय आजीविका को मिलेगा नया विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने ठोस पहल तेज कर दी है। कलेक्टर विजय दयाराम के. स्वयं मैदान में उतरकर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

इसी क्रम में उन्होंने राजमेरगढ़ का विस्तृत भ्रमण कर निर्माणाधीन बैगा कुटीर सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया तथा पर्यटन अधोसंरचना को अधिक आकर्षक, सुविधायुक्त और स्थानीय संस्कृति के अनुरूप विकसित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने राजमेरगढ़ पहाड़ की चोटी पर निर्माणाधीन बैगा कुटीर का अवलोकन करते हुए कहा कि इसका निर्माण प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप आकर्षक, पारंपरिक और हवादार स्वरूप में किया जाए, ताकि यह बैगा जनजातीय संस्कृति और स्थानीय पहचान का सशक्त प्रतीक बन सके। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटकों को बैगा समाज की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और जीवन शैली से परिचित कराने का यह महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

आगामी सावन माह में ज्वालेश्वर धाम में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ज्वालेश्वर धाम, माई का मड़वा, दुर्गाधारा तथा ठाड़ पथरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां विकसित पर्यटन अधोसंरचना, मूलभूत सुविधाओं और पर्यटकों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार एवं सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे अधिक से अधिक पर्यटक यहां आएं और जिले की पर्यटन पहचान सशक्त हो।कलेक्टर ने पर्यटन प्रबंधन समितियों के सदस्यों से संवाद कर उनकी आय-व्यय व्यवस्था, पर्यटन गतिविधियों तथा स्थानीय रोजगार और आजीविका से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने समितियों को स्थानीय हस्तशिल्प, वनोपज, पारंपरिक खाद्य उत्पादों और जनजातीय संस्कृति को पर्यटन से जोड़ते हुए पर्यटकों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

खास-खबर

किचन गार्डन से आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की दीदियां

सुकमा। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले की ग्रामीण महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ पोषण सुरक्षा की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। प्रशासन द्वारा किचन गार्डन एवं बागवानी को प्रोत्साहित किए जाने का सकारात्मक परिणाम अब गांवों में दिखाई देने लगा है। विकासखंड सुकमा के ग्राम डोडपाल में बिहान से जुड़ी दंतेश्वरी स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपने घरों में किचन गार्डन विकसित कर जैविक सब्जियों का उत्पादन कर रही हैं, जिससे परिवार की दैनिक जरूरतें पूरी होने के साथ घरेलू खर्च में भी कमी आ रही है। दंतेश्वरी स्व सहायता समूह की सदस्य गंगी, कोसी और पूजा ने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले उन्हें किचन गार्डन की जानकारी नहीं थी, लेकिन बिहान के माध्यम से मिले प्रशिक्षण और जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन से उन्होंने अपने घरों में सब्जी उत्पादन शुरू किया।

जन चेतना से जन सुरक्षा अभियान शुरू

गरियाबंद। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने 'जन चेतना से जन सुरक्षा' जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। अभियान के तहत आम नागरिकों, ग्राम प्रमुखों और मकान मालिकों से अवैध प्रवासियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले की सुरक्षा में आम जनता की सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। यदि किसी क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति या अवैध रूप से रह रहा प्रवासी दिखाई देता है तो इसकी सूचना तत्काल टोल फ्री नंबर 1800-233-1905, नजदीकी पुलिस थाना या जिला पुलिस कंट्रोल रूम को दें। पुलिस की प्रमुख अपीलकिरायेदारों का सत्यापन अनिवार्य: मकान मालिक किसी भी बाहरी व्यक्ति को किराए पर कमरा देने से पहले उसका पहचान पत्र अवश्य लें और पुलिस वेरिफिक्रेशन कराएं।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खनन क्षेत्र में हासिल हुई एक और उपलब्धि

सीएमडीसी एवं जेएनएआरडीडीसी के बीच हुआ ऐतिहासिक एमओयू, क्रिटिकल मिनरल्स के अनुसंधान एवं वैज्ञानिक विकास को मिलेगी नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्रिटिकल मिनरल मिशन एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक, सतत एवं मूल्यवर्धित उपयोग की दिशा में लगातार प्रभावी पहल कर रही है।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) और जवाहरलाल नेहरू एल्युमिनियम अनुसंधान, विकास एवं डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी), नागपुर के मध्य आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व, सीएमडीसी के अध्यक्ष सौरभ सिंह, खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद, तथा प्रबंध संचालक रजत बंसल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

एमओयू के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान, खनन, खनिज संसाधनों के मूल्य संवर्धन तथा क्रिटिकल मिनरल्स के विकास को नई दिशा मिलेगी। साथ ही राज्य में उपलब्ध खनिज संपदा का योजनाबद्ध, समयबद्ध एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर उपयोग

सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को गति मिलेगी।

एमओयू एक्सचेंज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पंकज कुलश्रेष्ठ ने अपने संबोधन में अनुसंधान आधारित खनिज विकास, नवाचार और संस्थागत सहयोग के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यह साझेदारी राज्य एवं देश के खनिज क्षेत्र के लिए दूरगामी परिणाम देने वाली पहल साबित होगी। भारतीय खान ब्यूरो के कंट्रोलर ऑफ माइंस डॉ. बी.एल. गुर्जर ने सीएमडीसी एवं खनिज साधन विभाग के बीच बेहतर समन्वय की सराहना करते हुए कहा कि दोनों संस्थाओं का तालमेल राज्य के खनिज क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रम में सीएमडीसी के महाप्रबंधक श्री यू.के. कुरैशी ने निगम की 25 वर्षों की विकास यात्रा, प्रमुख उपलब्धियों, संचालित खनिज परियोजनाओं, भविष्य की कार्ययोजनाओं तथा सेवा प्रदाता के रूप में निगम की सफल पहलों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में उपलब्ध खनिज संसाधनों की अपार संभावनाओं तथा उनके वैज्ञानिक एवं समावेशी दोहन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। वहीं रीजनल कंट्रोलर ऑफमाइंस प्रेम प्रकाश ने सीएमडीसी की टिन एवं कोरंडम परियोजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं तथा खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता एवं वैधानिक प्रक्रियाओं को मजबूती मिली है।

जेएनएआरडीडीसी के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. उपेंद्र सिंह ने बताया कि संस्थान रेड मड से गैलियम एवं वैनेडियम तथा बॉक्साइट के उप-उत्पादों से स्कैंडियम की पुनर्प्राप्ति (रिकवरी) पर महत्वपूर्ण अनुसंधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे शोध भारत को क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एमओयू का औपचारिक आदान-प्रदान भारतीय खान ब्यूरो के कंट्रोलर जनरल एवं जेएनएआरडीडीसी के निदेशक पंकज कुलश्रेष्ठ तथा सीएमडीसी के मुख्य महाप्रबंधक संजय कनकने ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि सीएमडीसी एवं जेएनएआरडीडीसी के बीच यह सहयोग खनिज अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग तथा सतत खनन को नई दिशा देगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खनिज क्षेत्र में हासिल यह एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, मूल्य संवर्धन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से प्रदेश की प्राकृतिक संपदा को विकास का आधार बना रही है। यह पहल न केवल प्रधानमंत्री के क्रिटिकल मिनरल मिशन और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध खनिज संपदा का सुनियोजित उपयोग कर राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति को भी नई गति प्रदान करेगी।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े आत्मसमर्पित युवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र सुकमा एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आत्मसमर्पित प्रशिक्षणार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 22 जून से 14 जुलाई 2026 तक चले इस प्रशिक्षण में 25 आत्मसमर्पित प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा कृषि आधारित स्वरोजगार के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य उन्हें आजीविका के स्थायी साधनों से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान विषय-विशेषज्ञों ने बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, हांडी दवा, श्री-जी दवा, मछली टॉनिक, नाडेप खाद, वर्मी कम्पोस्ट, धान में हरी खाद, ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई, फ्लदार वृक्षारोपण, नीलहरित काई उत्पादन, कृषि यंत्रों का उपयोग, बकरी एवं मुर्गी पालन, ऑयस्टर मशरूम उत्पादन, सब्जी नर्सरी, धान की कतार बुवाई तथा मत्स्य पालन जैसी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों को दंतेवाड़ा जिले के अध्ययन भ्रमण पर भी ले जाया गया, जहां उन्होंने मैलावाड़ा में धान की एसआरआई पद्धति तथा भूमगादी में प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर व्यवहारिक अनुभव प्राप्त किया।

समापन अवसर पर उप संचालक कृषि पी.आर. बघेल, सहायक संचालक सुधीर कुजूर तथा कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एच.एस. तोमर सहित वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षणार्थियों को कृषि एवं कृषि आधारित उद्यमों को अपनाकर सम्मानजनक आजीविका अर्जित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खेती और उससे जुड़े व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं तथा इनके माध्यम से आत्मसमर्पित युवा न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं, बल्कि समाज की मुख्यधारा में आत्मविश्वास के साथ नई पहचान भी बना सकते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सुकमा की नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कभी माओवादी आतंक की परछाइयों में सिमटा रहने वाला सुकमा जिला अब देश के सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा के नतीजों से गौरवान्वित हो उठा है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित नि:शुल्क 'क्षितिज' जी-नीट कोचिंग सेंटर के 32 होनहार विद्यार्थियों ने नीट-यूजी 2026 में क्वालिफाइंग कटऑफपार कर एक नया इतिहास रच दिया है। इनमें से 13 बच्चों को शासकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटें मिलने की प्रबल उम्मीद है।

दूरस्थ वनांचल के इन आदिवासी और ग्रामीण बच्चों की यह स्वर्णिम सफलता इस बात का जीवंत प्रमाण है कि बस्तर से नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के बाद अब यहाँ के युवाओं में उच्च शिक्षा को लेकर एक अभूतपूर्व उत्साह और ललक जाग उठी है। यह ऐतिहासिक कामयाबी सुदूर क्षेत्रों के प्रति छत्तीसगढ़ सरकार और जिला प्रशासन की संवेदनशीलता तथा एक बेहतर भविष्य देने के अटूट संकल्प का परिणाम है। कलेक्टर अमित कुमार के कुशल नेतृत्व, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर और जिला शिक्षा अधिकारी जी. आर. मण्डावी के मार्गदर्शन में इन बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण और पूर्णत: नि:शुल्क शिक्षा दी गई। इस महती प्रयास को धरातल पर उतारने में प्रशिक्षण प्रदाता संस्था 'कैंप एकेडमी' के अनुभवी शिक्षकों सूरज सिंह, सोनम सिंह, निधि चौहान और राजनीश पटेल के समर्पित और अथक प्रयासों ने मील का पत्थर साबित होने का काम किया है। वनांचल की झोपड़ियों से निकलकर देश के शीर्ष मेडिकल कॉलेजों के मुहाने पर खड़े इन सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को जिला प्रशासन ने हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। क्षितिज कोचिंग सेंटर की यह बड़ी उपलब्धि इस बात को रेखांकित करती है कि यदि सही मार्गदर्शन, समर्पित प्रयास और सुशासन का सहयोग मिले।

'नवा बिहान' अभियान: महासमुंद पुलिस ने 500 से अधिक लोगों को साइबर अपराध, नशामुक्ति और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। जिले में लोगों को नए प्रकार के अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महासमुंद पुलिस द्वारा 'नवा बिहान' जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत साइबर अपराध, सोशल मीडिया सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी, नशामुक्ति, गौ-तस्करी की रोकथाम और जन उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर लोगों को सजग रहने का संदेश दिया जा रहा है।

इस सप्ताह थाना सरायपाली के ग्राम बिछिया, चौकी सिरपुर के ग्राम सिरपुर, थाना पिथौरा, थाना पटेवा के ग्राम रुमेकेल, छिलपावन चौक, चौकी भंवरपुर के साप्ताहिक बाजार, चौकी टुहलू के ग्राम भलेसर, थाना खल्लारी के ग्राम बीकेबाहरा तथा बागबाहरा के पिथौरा चौक सहित विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 500 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया।

पुलिस टीम ने स्कूलों, कॉलेजों, हाट-बाजारों, बस स्टैंड, बैंकों और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को साइबर जागरूकता, अभिव्यक्ति ऐप, महिला सुरक्षा, नशामुक्ति अभियान और यातायात नियमों की जानकारी दी। महासमुंद पुलिस ने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले उसकी पूरी जांच करें। अनजान लिंक, थर्ड पार्टी ऐप और संदिग्ध वेबसाइटों से दूरी बनाए रखें तथा अपनी निजी और बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। पुलिस ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करे या **www.cybercrime.gov.in** पर शिकायत दर्ज कराए। साथ ही निकटतम साइबर सेल या पुलिस थाने में भी सूचना दें। अभियान के दौरान लोगों को बताया गया कि आजकल ठग पुलिस, सीबीआई या न्यायाधीश बनकर वीडियो कॉल करते हैं और 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर पैसे मांगते हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी एजेंसी इस प्रकार वीडियो कॉल पर डराकर धन की मांग नहीं करती।

ऐसे मामलों में घबराएं नहीं और किसी भी स्थिति में ऑनलाइन भुगतान न करें। पुलिस ने आपात स्थिति में डायल-112 का उपयोग करने की अपील की। वहीं किसी भी संदिग्ध गतिविधि, साइबर अपराध, गौ-तस्करी या अन्य शिकायतों के लिए महासमुंद पुलिस की 'संवाद' व्हाट्सएप हेल्प डेस्क पर सूचना देने का आग्रह किया। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

हरित कोरबा के लिये रन फार ग्रीन का आयोजन, जिला प्रशासन व निगम की सराहनीय पहल - महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। महापौर संजूदेवी राजपूत ने '' रन फार ग्रीन '' आयोजन को संबोधित करते हुये कहा कि पर्यावरण संरक्षण, हरित कोरबा व अधिक से अधिक वृक्षारोपण हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने की दिशा में '' रन फार ग्रीन '' मैराथान का यह आयोजन जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा की सराहनीय पहल है। उन्होने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि हमारा भारत स्वच्छ भारत-हरित भारत- समृद्ध भारत बने, हमे खुशी है कि आज हम सब उनके इसी सपने को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम केारबा के द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान के अंतर्गत '' रन फार ग्रीन '' का आयोजन किया गया। महापौर संजूदेवी राजपूत के मुख्य आतिथ्य में यह वृहद आयोजन केारबा के घंटाघर स्थित ओपन थियेटर मैदान में सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में निगम के सभापति श्री नूतन सिह ठाकुर के साथ-साथ कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत, वन मण्डलाधिकारी प्रेमलता यादव,

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, सहायक कलेक्टर तरूण किरण आदि के साथ निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण विशेष रूप से उपस्थित थे। आयोजन के दौरान '' रन फार ग्रीन '' मैराथान आयोजित किया गया, महापौर संजूदेवी राजपूत ने हरी झण्डी दिखाकर मैराथान को रवाना किया, यह मैराथान घंटाघर से चलकर सुभाष चैक, शास्त्री चैक, तानसेन चैक, व्ही.आई.पी.मार्ग, जैन चैक, महाराणाप्रताप चैक होते हुये पुन: घंटाघर में समाप्त हुआ, जहाँ पर मंचीय कार्यक्रम रखा गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने कहा कि मैंने जब कोरबा में ज्वाइनिंग दी थी, तब यहाँ के लोगों ने मुझे सुझाव दिया था कि हरित कोरबा के लिये प्रयास करने की आवश्यकता है, हमने इस दिशा में काम किया तथा इसी कड़ी में यह आयोजन रखा गया है, उन्होने कहा कि महापौर, आयुक्त व वनमण्डलाधिकारी के सहयोग से अगले 60 दिनों तक कोरबा में सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। उन्होने अपील करते हुये कहा कि कोरबावासी एक पेड़ माँ के नाम पर जरूर लगायें, वन विभाग व नगर पालिक निगम केारबा की टीम अपना पूरा सहयोग करेगी।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में कहा कि '' रन फार ग्रीन '' के इस आयोजन में कोरबा के लोगों ने, विद्यालय की हमारी छात्र-छात्राओं ने आज बहुत अच्छी सहभागिता दी है, आज का दिन कोरबा के लिये ऐतिहासिक दिन होगा, उन्होने आग्रह करते हुये कहा कि इसी उत्साह के साथ अगले 60 दिनों तक अपने घर, मोहल्ले एवं बस्ती में रिक्त पड़ी जमीन पर पौधे लगायें एवं उनका संरक्षण करें ताकि हरित कोरबा का संकल्प पूरा हो सके, वहीं भारतीय महिला फुटबाल की सदस्य एवं खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स में छत्तीसगढ़ विजेता टीम की कैप्टन किरण पिस्दा ने विद्यालयीन छात्र-छात्राओं व मैराथान के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये कहा कि जब तक आप खुद से नहीं हारते, आपको कोई हरा नहीं सकता, अत: अपना आत्मविश्वास बनायें रखें, अच्छा सोंचे एवं अच्छा करें। उन्होने कहा कि ''रन फार ग्रीन'' का यह आयोजन एक सराहनीय आयोजन है, जिसके लिये मैं जिला प्रशासन व नगर निगम प्रशासन को बधाई देती हूँ।

केंद्रीय विद्यालय सुकमा में प्रवेश का अंतिम मौका

सुकमा। अपने बच्चों को देश के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक में पढ़ाने की चाह रखने वाले अभिभावकों के लिए यह आखिरी और सुनहरा मौका है। केंद्रीय विद्यालय सुकमा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में खाली सीटों को भरने के लिए योग्य विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस विशेष दाखिला अभियान के तहत प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कक्षा 1ली, 5वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं के साथ-साथ कक्षा 11वीं (वाणिज्य संकाय) और 12वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।प्रवेश पाने के इच्छुक विद्यार्थी और उनके अभिभावक 19 जुलाई 2026 से 23 जुलाई 2026 तक विद्यालय परिसर में सीधे पहुंचकर अपना ऑफ्लाइन पंजीकरण करवा सकते हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

आकाशीय बिजली का कहर दो बच्चों की मौत, दो सगे भाई झुलसे

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम नागम में हल्की बारिश के दौरान अचानक गिरी बिजली की चपेट में चार बच्चे आ गए। हादसे में दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो सगे भाई गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी जुटाई। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम, गरज-चमक और आकाशीय बिजली के दौरान खुले स्थानों, खेतों और पेड़ों के नीचे जाने से बचें तथा सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

चॉकलेट बताकर छात्रों को खिलाई प्रतिबंधित दवा, 8 बच्चे बीमार, एक आईसीयू में भर्ती

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। पंचशील नगर स्थित शासकीय चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 10वीं कक्षा के एक छात्र ने कथित तौर पर अपने साथ पढ़ने वाले बच्चों को चॉकलेट बताकर प्रतिबंधित दवा खिला दी। दवा खाने के कुछ देर बाद 8 छात्रों की तबीयत अचानक बिगड़ गई स्कूल प्रबंधन ने तुरंत सभी प्रभावित छात्रों को अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। चार बच्चों का इलाज जारी है, जबकि एक छात्र की हालत गंभीर होने पर उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। अन्य बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। 10वीं के एक छात्र ने अन्य बच्चों को प्रतिबंधित दवा खिलाई थी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस और शिक्षा विभाग को दे दी गई है। पुलिस ने आरोपी छात्र के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि प्रतिबंधित दवा छात्र के पास कहां से आई और इसके पीछे उसका मकसद क्या था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। थाना सारागांव पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर लोहे का चाकू लहराकर राहगीरों में दहशत फैलाने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। ग्राम कमरीद मोड़ के पास एक युवक हाथ में लोहे का चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहा है, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जयसिंह चौहान (22 वर्ष) निवासी दर्रभांठा, थाना बाराद्वार, जिला शक्ति को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक लोहे का चाकू बरामद कर विधिवत जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

हेरोइन की बिक्री की तैयारी कर रहे दो आरोपी गिरफ्तार, 9 लाख से ज्यादा की संपत्ति जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हेरोइन बेचने की फिराक में घूम रहे दो बदमाश पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। मुखबिर सूचना के आधार पर थाना सुपेला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनोंआरोपियों को हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से कुल 8.85 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा), दो मोबाइल फोन एवं प्रयुक्त कार सहित लगभग 9.94 लाख की संपत्ति जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

दरअसल सुपेला पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि लाल रंग की कार में सवार दो व्यक्ति कोसानगर गांधी नगर, सुपेला क्षेत्र में प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) रखकर बिक्री हेतु ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान आरोपी मोह. इम्तियात उर्फ सरफराज के कब्जे से 2.65 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) कीमत लगभग 53,000 एवं एक रियलमी मोबाइल फोन कीमत 7,000 तथा आरोपी मोह. फैजान के कब्जे से 6.20 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) कीमत लगभग 1,24,000, एक मोटोरोला मोबाइल फोन कीमत 10,000 एवं घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक सीजी 07 सीवी 3587 कीमत लगभग 8,00,000 बरामद की गई। कुल जप्त संपत्ति का मूल्य लगभग 9,94,000 है।

आरोपियों के विरुद्ध थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1018/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक पारस ठाकुर, उप निरीक्षक अमर दास गंगेले, पीएसआई विजेन्द्र डहरिया, पीएसआई अक्षय साहू, प्रधान आरक्षक आशीष अमर सिंह एवं प्रधान आरक्षक प्रकाश चंद तिवारी की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि प्रतिबंधित मादक पदार्थों के अवैध क्रय-विक्रय एवं तस्करी संबंधी किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मां और 10 महीने की बेटी की सिर-चेहरा कुचलकर हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक बार फिर डबल मर्डर की वारदात हुई है। मां और उसकी 10 महीने की मासूम बेटी की हत्या कर दी गई। दोनों पर किसी भारी वस्तु से सिर और चेहरे पर वार किए जाने की आशंका है।

बोर घर में खून से लथपथ दोनों के शव मिले हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र के छापरपानी गांव का है।

इससे 5 दिन पहले 15 जुलाई को धरमजयगढ़ में जमीन विवाद में बुजुर्ग दंपती की हत्या कर शवों को जला दिया गया था। आरोपियों ने पहले कुल्हाड़ी से दंपती की हत्या की, फिर घर में आग लगाकर इसे हादसा साबित करने की कोशिश की थी।

पुलिस के अनुसार, बरत कुमारी (40) के पति की करीब 4-5 साल पहले मौत हो चुकी थी। इसके बाद उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी। वह इधर-उधर भटक कर अपना जीवन यापन कर रही थी। 10 महीने पहले उसने एक बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं है कि बच्ची का पिता कौन है। इसके बाद वह अपनी बच्ची को लेकर प्रहलाद बेहरा के खेत में बने बोर घर में रहने लगी।

ग्रामीण ने देखी खून से लथपथ हालत

बुधवार को बरत कुमारी को सुकवास गांव से चावल लेकर लौटते हुए देखा गया था। गुरुवार सुबह ग्रामीण ननकूराम ने बोर घर में बरत कुमारी को गंभीर रूप से घायल अवस्था में देखा और इसकी सूचना उसके परिजनों को दी।

मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि महिला के सिर और चेहरे पर किसी भारी वस्तु से हमला किया गया था। उसके शरीर से काफी खून बह चुका था। वहीं, पास में उसकी 10 महीने की बेटी परी भी मृत अवस्था में पड़ी थी, जिसके सिर पर भी गंभीर चोट के निशान मिले।

अस्पताल ले जाते समय महिला ने तोड़ा दम

परिजन गंभीर रूप से घायल बरत कुमारी को इलाज के लिए अस्पताल लेकर निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद लैलूंगा पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनआरबीएस स्टील प्लांट में हाइड्रा की टक्कर से एचआर हेड की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र स्थित गेरवानी के एनआरबीएस स्टील प्लांट में शनिवार शाम हादसा हो गया। प्लांट के एचआर हेड संजय त्रिपाठी की हाइड्रा वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन शुरुआती जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, संजय त्रिपाठी लंबे समय से एनआरबीएस स्टील प्लांट में एचआर हेड के पद पर कार्यरत थे। शनिवार शाम वे प्लांट परिसर में पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही हाइड्रा मशीन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सिर के बल जमीन पर गिर पड़े, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई।

घटना के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल प्लांट प्रबंधन को सूचना दी और घायल संजय त्रिपाठी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने प्रारंभिक परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पूंजीपथरा थाना प्रभारी रामकिंकर ने बताया कि एनआरबीएस प्लांट में हाइड्रा वाहन की टक्कर से हादसा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच की। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

लूट करने वाला गैंग पकड़ाया, काम से लौट रहे युवकों पर चाकू से हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। नेशनल हाईवे-49 पर राहगीरों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले एक शातिर गिरोह का सारागांव पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई नकदी, दो मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल धारदार चाकू और दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। घटना 16 जुलाई की शाम 7 से 8 बजे के बीच की है। खोखरा निवासी अशोक लाठिया अपने साथी के साथ बढ़ई का काम खत्म कर घर लौट रहे थे। रास्ते में वे एनएच-49 स्थित अंजली फ्यूल्स पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने के लिए रुके। पेट्रोल पंप से निकलने के बाद बदमाशों ने बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से उनका पीछा किया और उनकी बाइक के आगे अपनी गाड़ी अड़ाकर रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने धारदार चाकू से दोनों दोस्तों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बदमाश उनकी जेब से 5 हजार रुपए नकद और दो मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। घायल युवकों ने किसी तरह थाने पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने सक्ती जिले के बाराद्वार थाना क्षेत्र के डेरागढ़ निवासी महेन्द्र कुमार धारिया (23) को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली।

रिटायर्ड एसईसीएल कर्मचारी और पत्नी को मारकर जलाया

जमीन विवाद में कुल्हाड़ी से काटा, हादसा दिखाने की कोशिश, , दो सगे भाई गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हुए डबल मर्डर का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जमीन विवाद में बुजुर्ग दंपती की हत्या कर शवों को जला दिया गया था। आरोपियों ने पहले कुल्हाड़ी से दंपती की हत्या की, फिर घर में आग लगाकर इसे हादसा साबित करने की कोशिश की। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के क्रोंधा गांव का है। दरअसल, आरोपियों ने एक किसान से 4 एकड़ जमीन का सौदा किया था।

लेकिन बुजुर्ग दंपती ने ज्यादा कीमत देकर वह जमीन खरीद ली। इससे नाराज होकर 2 सगे भाइयों ने रिटायर्ड कर्मचारी और उनकी पत्नी को मार डाला। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, 15 जुलाई को ग्राम औरामुड़ा निवासी मंगल राठिया (65) और उनकी पत्नी पुनाई बाई राठिया (55) के जले हुए शव घर के अंदर मिले थे। सूचना

मिलते ही धरमजयगढ़ पुलिस, एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए गए और पोस्टमॉर्टम के बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या, साक्ष्य मिटाने और अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटनास्थल पर मिली हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी की गंध लेकर पुलिस डॉग रूबी सीधे संदेही श्याम लाल राठिया तक पहुंची। जांच में सामने आया कि, मृतक और आरोपी परिवार के बीच कई सालों से जमीन विवाद चल रहा था। एफएसएल रिपोर्ट, तकनीकी साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर पुलिस ने श्याम लाल राठिया (32) और उसके भाई जीवन लाल राठिया (48) से पूछताछ की, जिसमें दोनों ने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, साल 2013 में उन्होंने एक जमीन का सौदा किया था, लेकिन मंगल राठिया ने ज्यादा कीमत देकर उस जमीन को खरीद लिया। उसी पर मकान बनाकर खेती कर रहा था। इसी रंजिश के चलते 14 जुलाई की रात दोनों भाई टांगी लेकर घर पहुंचे। दरवाजा खुलते ही मंगल राठिया पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। शोर सुनकर बाहर आई उनकी पत्नी पुनाई बाई की भी हत्या कर दी गई।

शव जलाकर हादसा दिखाने की कोशिश

हत्या के बाद आरोपियों ने दोनों शवों पर कपड़े, सोफा कवर और बाकी सामान डालकर आग लगा दी। इसके बाद घर के 2 कमरों में भी आग लगा दी, ताकि हत्या को आगजनी की दुर्घटना का रूप दिया जा सके। घटना में इस्तेमाल कुल्हाड़ी छोड़कर दोनों आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर कुल्हाड़ी और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद कर जब्त कर लिए हैं। श्याम लाल राठिया और जीवन लाल राठिया दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

नाबालिग को 2 बार घर से भगाकर रेप किया: आरोपी को भेजा गया जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 18 साल के युवक ने 15 साल की नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर न सिर्फ अपने जाल में फंसाया, बल्कि दो बार उसे घर से भगा ले गया। इसके बाद आरोपी ने नाबालिग के साथ रेप किया।

घर से भागने के दौरान बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर रात काटी। परिजनों ने किडनैपिंग की शिकायत दर्ज कराई, तो आरोपी मंदिर के पास पकड़े गए। पुलिस ने नाबालिग को रेस्क्यू कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला जूटमिल थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, जूटमिल क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग लड़की 30 जून को अचानक बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। परिजनों ने थक-हारकर 3 जुलाई को जूटमिल थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफअपहरण का केस दर्ज किया। पुलिस को जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि, नाबालिग जूटमिल क्षेत्र के ही रहने वाले आरोपी अनुज स्वर्णकार (18) के घर पर है। पुलिस ने 11 जुलाई को आरोपी के घर पर दबिश देकर उसे सकुशल बरामद कर लिया, लेकिन शातिर आरोपी पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गया।

महिला पुलिस अधिकारी ने पीड़िता के बयान और मेडिकल टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर मामले में रेप (धारा 65(1)(ड)बीएनएस) और 4, 6 पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराएं जोड़ी। बाल कल्याण समिति के सामने काउंसलिंग के बाद लड़की को परिजनों को सौंप दिया गया।

48 घंटे के भीतर लड़की को फिर भगाया

पुलिस अभी फरार आरोपी अनुज स्वर्णकार की तलाश में खाक छान ही रही थी कि महज दो दिन बाद 13 जुलाई को नाबालिग लड़की फिर से रहस्यमयी ढंग से लापता हो गई। परिजनों की दोबारा शिकायत पर पुलिस ने तत्काल नई टीमें बनाकर खोजबीन शुरू की।

रेलवे स्टेशन पर काटी रात, मंदिर के पास पकड़े गए

15 जुलाई को जूटमिल पुलिस ने केवड़ाबाड़ी स्थित निकले महादेव मंदिर के पास घेराबंदी कर आरोपी अनुज स्वर्णकार को दबोच लिया। उसके चंगुल से दोबारा नाबालिग को बरामद किया गया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि, आरोपी उसे 13 जुलाई को ट्रेन में बैठाकर बिलासपुर ले गया था।

दोनों ने पूरा दिन और रात बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर ही गुजारा और अगले दिन फिर ट्रेन से वापस रायगढ़ लौट आए थे। जिसके बाद पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जूटमिल पुलिस ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद पीड़िता को उसके माता-पिता को सौंप दिया है।

वहीं आरोपी अनुज स्वर्णकार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकशशि मोहन सिंह ने कहा कि, नाबालिग बच्चों की सुरक्षा और उनका संरक्षण पुलिस की सबसे पहली प्राथमिकता है। किसी भी मासूम को बहला-फुसलाकर अगवा करना बेहद गंभीर अपराध है, जिस पर हमारी टीम पूरी संवेदनशीलता से त्वरित कार्रवाई करती है।

मैं सभी अभिभावकों से अपील करता हूं कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों और संगति पर सतत निगरानी रखें। किसी भी संदिग्ध परिस्थिति या गुमशुदगी की स्थिति में बिना वक्त गंवाए तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय पर बच्चों को सुरक्षित बरामद किया जा सके।

राज ज्वेलर्स लूट कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार कर्नाटक बॉर्डर में चढ़ा पुलिस के हत्थे

कोरबा। कटघोरा पुलिस को राज ज्वेलर्स में हुई सनसनीखेज लूट के मामले में एक और बड़ी सफलता मिली है। घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे मुख्य आरोपी विष्णु राठिया को कोरबा पुलिस की विशेष टीम ने कर्नाटक बॉर्डर के हिन्दूपुरम औद्योगिक क्षेत्र स्थित एलो प्लांट से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। 1 जुलाई 2026 को छुरीकला वार्ड क्रमांक 10 निवासी प्रार्थी राजकुमार अग्रवाल अपनी राज ज्वेलर्स दुकान पर अकेले थे। दोपहर लगभग 1.00 बजे एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन अज्ञात व्यक्ति ग्राहक बनकर पहुंचे। आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए अपने चेहरों को गमछे से बांध रखा था।

मिर्ची पाउडर और कट्टा अड़ायारू एक आरोपी ने कट्टा निकालकर दुकानदार के सीने पर अड़ा दिया और आंखों में मिर्ची पाउडर डालने की कोशिश की।

भाग निकले आरोपी शोर और छीना-झपटी के बीच बाहर लोगों की भीड़ जुटने लगी, जिसे देखकर तीनों आरोपी अपना कट्टा, बाइक, चप्पल और मिर्ची पाउडर मौके पर ही छोड़कर भाग निकले।

पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के बाद 06 जुलाई 2026 को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार आरोपियों में गोपाल सिंह गोंड (उम्र 38 वर्ष, निवासी घुचापुर बोइलाबारी, चैकी कोरबी, थाना पसान) और परदेशी राम राठिया (उम्र 40 वर्ष, निवासी जिला बरपाली, थाना श्यांग) शामिल हैं।

अवैध गिट्टी परिवहन करते दो हाइवा जब्त

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में आई बाढ़ का निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारियों ने रेलवे साइडिंग पर गिट्टी परिवहन करते 2 हाइवा को जब्त किया है। वाहन चालकों के पास रॉयल्टी पर्ची नहीं थी। वाहनों को पुलिस के सौंप दिया गया है। अवैध खनिज परिवहन की लगातार शिकायत मिलती रही है। पसान तहसीलदार वीरेंद्र कुमार श्याम और कोरबी पुलिस चौकी प्रभारी सुरेश कुमार जोगी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के दौरे पर थे। इस दौरान तनेरा क्रेशर प्लांट से गिट्टी लेकर हाइवा चालक देवव्रत मरावी और टेकराम जा रहे थे। वाहनों को रोककर पूछताछ की गई तो दोनों दस्तावेज नहीं बता सके। इसकी वजह से वाहनों को जब्त कर लिया गया है। खनिज विभाग की टीम भी इस क्षेत्र में कम भी आती है। एसडीएम मनोजकुमार बंजारे का कहना है कि अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

निवेश का नया भरोसा बना छत्तीसगढ़ : आसान नियम व संस्थागत माहौल से बना देश के बड़े राज्यों में नंबर वन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निवेशक-हितैषी नीतियों, सुशासन और प्रशासनिक सुधारों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। क्रिसिल-नीति आयोग इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स (IFI) 2026 में छत्तीसगढ़ ने नियमों में आसानी (Regulatory Ease) और संस्थागत माहौल (Institutional Environment) जैसे निवेश के सबसे महत्वपूर्ण मानकों में देश के 17 बड़े राज्यों में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं पर्यावरणीय लचीलेपन (Environment Resilience) में राज्य दूसरे स्थान पर रहा है। यही नहीं, निवेशकों के बढ़ते विश्वास का परिणाम है कि पिछले 18 महीनों में छत्तीसगढ़ को लगभग 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें सेमीकंडक्टर, एआई डेटा सेंटर, टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स और एग्रो-प्रोसेसिंग जैसे भविष्य के उद्योग भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरकार की बागडोर संभालने के बाद से ही निवेश, उद्योग और रोजगार को प्राथमिकता देते हुए शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और जवाबदेह बनाने पर विशेष जोर दिया है। उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की इसी नीति का परिणाम है कि राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्र आकलन में छत्तीसगढ़ ने कई स्थापित औद्योगिक राज्यों को पीछे छोड़ते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। क्रिसिल और नीति आयोग के संयुक्त आकलन में राज्य को कुल 47.5 अंक प्राप्त हुए हैं। समग्र रैंकिंग में छत्तीसगढ़ 17 बड़े राज्यों में नौवें स्थान पर है, लेकिन निवेशकों के भरोसे से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण मानकों में उसका प्रदर्शन देश में सर्वश्रेष्ठ रहा है।

पर्यावरणीय सुरक्षा में भी अग्रणी

पर्यावरणीय लचीलापन के मानक में छत्तीसगढ़ देश के बड़े राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा है। राज्य को 5 में से 4 अंक प्राप्त हुए हैं और इस श्रेणी में केवल तमिलनाडु उससे आगे है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारी के मामले में भी छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन बड़े राज्यों के औसत से काफी बेहतर रहा है। इसका अर्थ यह है कि औद्योगिक परिसंपत्तियां और आपूर्ति श्रृंखला अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हैं, जिससे दीर्घकालीन निवेश के लिए राज्य की विश्वसनीयता और बढ़ती है।

संसाधनों और वित्तीय अनुशासन ने बढ़ाया भरोसा

संसाधनों की उपलब्धता के मामले में छत्तीसगढ़ बड़े राज्यों में तीसरे स्थान पर है। राज्य देश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला एवं लिग्नाइट उत्पादक है तथा धातु और अधात्विक खनिजों के उत्पादन में भी अग्रणी राज्यों में शामिल है। वित्तीय स्वास्थ्य के मानक में राज्य को 7 में से 5.4 अंक प्राप्त हुए हैं, जो मजबूत वित्तीय प्रबंधन और नीतिगत स्थिरता का संकेत हैं। राज्य के सकल मूल्य वर्धित में उद्योग क्षेत्र की 52.8 प्रतिशत हिस्सेदारी इसे देश की सबसे अधिक औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं वाले राज्यों की श्रेणी में स्थापित करती है। छत्तीसगढ़ की एक बड़ी ताकत उसकी ऊर्जा उपलब्धता भी है। राज्य में उद्योगों को पर्याप्त और भरोसेमंद बिजली प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध हो रही है। महिलाओं की कार्यबल में 58.1 प्रतिशत भागीदारी बड़े राज्यों के औसत से लगभग 41 प्रतिशत अधिक है। वहीं कारोबार बंद करने की प्रक्रिया में कानूनी और अन्य संबंधित खर्च भी देश में सबसे कम लागत वाले राज्यों में शामिल हैं।

कारोबार शुरू करना पहले से कहीं आसान

नियमों में आसानी के मानक में छत्तीसगढ़ को 12 में से 8.4 अंक मिले हैं, जो राजस्थान, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों से भी अधिक हैं। यह मानक इस बात का आकलन करता है कि किसी उद्योग को मंजूरी मिलने में कितना समय लगता है, एनओसी, निर्माण अनुमति, बिजली और पानी के कनेक्शन कितनी तेजी से उपलब्ध होते हैं, वाणिज्यिक न्यायालय कितनी प्रभावी ढंग से कार्य करते हैं और व्यवसाय बंद करने की प्रक्रिया कितनी सरल है। इस श्रेणी में पहला स्थान मिलने का सीधा अर्थ है कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों को कम प्रशासनिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। अनुमतियां तेजी से मिलती हैं, अनुपालन की लागत कम है और निवेशकों को हर स्तर पर बेहतर प्रशासनिक सहयोग प्राप्त होता है।

मजबूत संस्थागत व्यवस्था बनी निवेशकों की ताकत

संस्थागत माहौल में भी छत्तीसगढ़ ने 6 में से 4.5 अंक प्राप्त कर देश के बड़े राज्यों में पहला स्थान हासिल किया है। यह श्रेणी शासन की गुणवत्ता, आर्थिक अपराध, साइबर अपराध, श्रमिक विवाद, नीतिगत स्थिरता और शिकायतों के त्वरित समाधान जैसे पहलुओं का मूल्यांकन करती है। इस उपलब्धि से स्पष्ट है कि राज्य में स्थिर, भरोसेमंद और निवेशक-अनुकूल प्रशासनिक व्यवस्था विकसित हुई है। उद्योगों को नीति में निरंतरता, त्वरित निर्णय और विवादों के शीघ्र समाधान का लाभ मिल रहा है, जिससे दीर्घकालीन निवेश का विश्वास मजबूत हुआ है।

आठ लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, नई अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव

राज्य सरकार की उद्योग समर्थक नीतियों और निवेशकों के अनुकूल वातावरण का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि ढाई साल में छत्तीसगढ़ को लगभग 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों में सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स, एग्रो-प्रोसेसिंग और अन्य उच्च प्रौद्योगिकी आधारित उद्योग शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि क्रिसिल-नीति आयोग इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन हमारी सुशासन आधारित नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और निवेशक-अनुकूल वातावरण पर देश की मुहर है।

सुधारों की नई पहचान बना छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने निवेश को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं। औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के माध्यम से उद्योगों को आकर्षक प्रोत्साहन दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ जन विश्वास अधिनियम का दूसरा संस्करण लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना, जिसके तहत 279 छोटे कारोबारी अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 लागू कर जोखिम आधारित नियामकीय व्यवस्था लागू करने वाला भी छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बना है। इससे उद्योगों पर अनावश्यक नियामकीय बोझ कम हुआ है और निवेश प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल एवं पारदर्शी बनी है।

एआई और डिजिटल अर्थव्यवस्था का नया केंद्र

नवा रायपुर में देश के पहले एआई डेटा सेंटर पार्क का निर्माण तेजी से चल रहा है। लगभग 1,000 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित हो रही इस परियोजना की क्षमता एक लाख जीपीयू तक होगी। इसके साथ ही हाइपरनेक्स्ट के माध्यम से देश का पहला समर्पित डिजास्टर रिकवरी डेटा सेंटर भी छत्तीसगढ़ में स्थापित किया जा रहा है। इससे राज्य उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन रहा है। नियमों में आसानी और संस्थागत माहौल में देश के बड़े राज्यों में प्रथम स्थान प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि हमने उद्योगों और निवेशकों के लिए भरोसेमंद, सरल और तेज़ व्यवस्था विकसित की है।उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि रोजगार, औद्योगिक विकास और समावेशी आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार तैयार करना है। औद्योगिक विकास नीति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, डिजिटल अधोसंरचना और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में किए गए सुधारों के परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। हमें विश्वास है कि छत्तीसगढ़ देश के सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्यों में अपनी पहचान को और मजबूत करेगा तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई गति देगा।

सीएम हेल्पलाइन-1076 ने नागरिक केंद्रित सुशासन की अवधारणा को दिया व्यवहारिक रूप : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन ने अपने संचालन के पहले ही महीने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 13 जुलाई 2026 तक इसके माध्यम से 42 हजार 653 शिकायतों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। इनमें 13 हजार 600 शिकायतकर्ताओं ने समाधान से संतुष्ट होकर स्वयं सकारात्मक अभिमत के साथ अपने प्रकरण बंद कराए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की समस्या का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से शुरू की गई मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 आज आमजन और शासन के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बनकर उभर रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे मुख्यमंत्री

हेल्पलाइन-1076 का अधिकाधिक उपयोग करें तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसकी जानकारी दें, ताकि हर जरूरतमंद नागरिक तक इस व्यवस्था का लाभ पहुँच सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन केवल शिकायत दर्ज कराने की सुविधा नहीं है, बल्कि यह सरकार की जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित कार्यसंस्कृति का सशक्त उदाहरण है। हेल्पलाइन चौबीसों घंटे और सप्ताह के सातों दिन संचालित होती है। इसके लिए समर्पित कॉल सेंटर में पर्याप्त मानव संसाधन तैनात हैं, जो लगातार शिकायतें दर्ज कर संबंधित विभागों तक पहुँचाते हैं। शिकायतों के निराकरण के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है तथा तहसीलदार से लेकर सचिव स्तर तक लगभग आठ हजार अधिकारी इस व्यवस्था से जुड़े हैं, जिससे प्रत्येक शिकायत पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ऐसा प्रशासन विकसित कर रही है, जहाँ नागरिकों को अपनी समस्या लेकर कार्यालय-दर-कार्यालय भटकना न पड़े। अब केवल एक फोन कॉल के माध्यम से शिकायत दर्ज होती है, उसकी सतत मॉनिटरिंग होती है और निर्धारित समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाता है। इससे शासन और जनता के बीच संवाद अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी हुआ है तथा प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित यह व्यवस्था सुशासन को व्यवहार में उतारने का प्रभावी माध्यम बन रही है। आने वाले समय में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का दायरा और अधिक व्यापक किया जाएगा, ताकि प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक भी त्वरित और गुणवत्तापूर्ण प्रशासनिक सेवाएँ पहुँच सकें।

विभागवार आँकड़े बताते हैं कि ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभागों से संबंधित शिकायतें सर्वाधिक प्राप्त हुईं। वहीं समाधान के मामले में भी इन विभागों ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए क्रमशः 3,066, 2,530 और 1,314 शिकायतों का सफलतापूर्वक निराकरण किया। महज एक माह में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 ने यह साबित कर दिया है कि जब शासन संवेदनशीलता, तकनीक और जवाबदेही के साथ कार्य करता है, तब सुशासन का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुँचता है।

महतारी वंदन योजना बनी मातृत्व का सहारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को भी सशक्त बना रही है। विकासखंड कुटरू के सेक्टर कुटरू अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र ताड़मेर की हितग्राही बुधरी माड़वी इस योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार के बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

26 वर्षीय बुधरी माड़वी बताती हैं कि गर्भावस्था के दौरान आर्थिक तंगी के कारण पौष्टिक आहार, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था करना उनके लिए कठिन था। ऐसे समय में

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली 1000 की आर्थिक सहायता उनके लिए बड़ी राहत साबित हुई।

बुधरी माड़वी कहती हैं, गर्भावस्था के दौरान से अब तक मुझे दूध, फल, हरी सब्जियां और दवाइयां लेने में कोई परेशानी नहीं हुई। बच्चे के जन्म के बाद उसके कपड़े, देखभाल और अन्य जरूरी सामान की व्यवस्था भी इसी राशि से हो जाती है। हर महीने मिलने वाले 1000 रुपये से घर के खर्च में भी काफी मदद मिलती है। इस योजना ने मुझे आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है और मैं बहुत खुश हूँ। योजना के नियमित लाभ से बुधरी माड़वी को समय पर पौष्टिक आहार और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकीं, जिससे आज माँ और शिशु दोनों स्वस्थ हैं। महतारी वंदन योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि मातृत्व को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया आधार भी दे रही है। राज्य शासन की यह जनकल्याणकारी योजना प्रदेश की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है।

मोबाइल और डिजिटल एडिक्शन से बचें, मानव बुद्धि ही सर्वोच्च है: राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अपना बचपन याद आ जाता है। आज जीवनशैली पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके समय में सीमित संसाधनों के बीच पढ़ाई होती थी, तथा मेहनत और लगन ही सफलता का आधार थी। आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन विद्यार्थियों को अपनी मौलिक सोच और अध्ययन की आदत को बनाए रखना चाहिए।

पीएसवाय राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

राज्यपाल श्री डेका ने रायपुर के विमतारा ऑडिटोरियम में पीएसवाय एजुकेशन एवं रिसर्च फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह एवं पदक तथा निधि वितरण 2026 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट जिला शिक्षा अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छात्र जीवन की मित्रता सबसे निर्मल और अमूल्य होती है, जिसे जीवनभर संजोकर रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार की लत से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि डिजिटल एडिक्शन भी अन्य नशों की तरह हानिकारक है। मोबाइल का उपयोग केवल आवश्यक अध्ययन और उपयोगी कार्यों तक सीमित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज के समय में गूगल और एआई उपयोगी साधन हैं, लेकिन वे मानव बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकते। जीवन में गूगल इफेक्ट नहीं होना चाहिए। सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता ही मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है।

राज्यपाल ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की प्रतिभा और रुचि को पहचानें तथा उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हर बच्चा आईआईटी या मेडिकल के क्षेत्र में ही जाए, यह आवश्यक नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों की विविध प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए अनेक नए पाठ्यक्रम और विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। आज प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और नवाचार के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने सपने बड़े रखें। व्यक्ति किस पृष्ठभूमि से आता है, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उसकी मेहनत, लगन और संकल्प ही उसका भविष्य तय करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल सफल व्यक्ति ही खुश हो, यह आवश्यक नहीं है, बल्कि संतुष्ट व्यक्ति ही वास्तविक रूप से प्रसन्न रहता है। परिवार, पड़ोसियों और मित्रों के साथ सौहार्द एवं शांति से जीवन जीना ही सच्ची सफलता है।

राज्यपाल ने कहा कि आज यहां सम्मानित होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी की उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उसके माता-पिता के त्याग और गुरुजनों के मार्गदर्शन का भी परिणाम है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की तुलना दूसरों से न करने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। उसे अंधी प्रतिस्पर्धा में धकेलने के बजाय उसकी रुचि और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। जब बच्चा अपनी पसंद के क्षेत्र में कार्य करता है, तभी उसकी उत्कृष्ट प्रतिभा निखरकर सामने आती है।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, विधायक तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। प्रत्येक विद्यार्थी का एक स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए और उस लक्ष्य को प्राप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है। शिक्षा पर जितना अधिक ध्यान दिया जाएगा, भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। विधायक पुरंदर मिश्रा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए सफलता के लिए अनुशासन, परिश्रम और निरंतर सीखने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में पीएसवाय शैक्षणिक एवं अनुसंधान संघ के निदेशक डॉ. एस.के. मिश्रा ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अंत में मुख्य योजना समन्वयक पीएसवाय श्रीमती शुभ्रा शुक्ला मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। समारोह में सीबीएसई के क्षेत्रीय निदेशक जगदीश बर्मन, पीएसवाय के पदाधिकारी, प्रदेश के सभी संभागों से आए जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक, सम्मानित विद्यार्थी, उनके अभिभावक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950